● वर्ष : 17 ● अंक : 121 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित   बुधवार 18 फरवरी 2026   लोकतंत्र का स्तंभ

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट: जनता के लिए हो एआई का इस्तेमाल: पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे पांच दिवसीय इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दूसरे दिन मंगलवार को पीएम मोदी ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि एआई का इस्तेमाल सभी के लाभ के लिए कैसे किया जा सकता है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि बुद्धिमत्ता, तर्कसंगतता और निर्णय लेने की क्षमता विज्ञान और प्रौद्योगिकी को जनता के लिए उपयोगी बनाती है। सोमवार से शुरू हुए इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों, मंत्रियों, वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं, प्रख्यात शोधकर्ताओं, बहुपक्षीय संस्थानों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाया गया ताकि समावेशी विकास को आगे बढ़ाने, सार्वजनिक प्रणालियों को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम बनाने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श किया जा सके। यह पहली बार है कि इस मुद्दे पर इतने बड़े पैमाने पर वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह समिट 20 फरवरी को समाप्त होगी, इसमें 100 से ज्यादा सरकारी प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिनमें 20 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और उप मंत्री शामिल हैं, साथ ही सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, सीटीओ और परोपकारी संगठनों समेत 500 से ज्यादा वैश्विक एआई नेता भी शामिल हो रहे हैं। 19 फरवरी को पीएम मोदी उद्घाटन भाषण देंगे, जो वैश्विक सहयोग की दिशा तय करेगा और समावेशी एवं जिम्मेदार एआई के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेगा। शिखर सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण तीन प्रमुख वैश्विक प्रभाव चुनौतियां हैं – एआई फॉर ऑल, एआई बाय हर और युवआई जिनका समापन फाइनलिस्टों की घोषणा और ग्रैंड फिनाले शोकेस के साथ होगा। इन चुनौतियों के लिए 60 से ज्यादा देशों से 4,650 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जो मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को दर्शाते हैं और जिम्मेदार और स्केलेबल एआई नवाचार के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के उदय को मजबूत करते हैं। कई क्षेत्रों के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं द्वारा किए गए एक कठोर बहुस्तरीय मूल्यांकन के बाद, तीनों श्रेणियों में शीर्ष 70 टीमों को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया। ये फाइनलिस्ट नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों और शिक्षाविदों के साथ जुड़ेंगे, साथ ही राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपने नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए मान्यता और सहयोग प्राप्त करेंगे।

एआई भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाएगा : प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026' में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत की तकनीकी प्रगति की यात्रा में नया अध्याय जोड़ेगा और देश को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। भारत मंडपम में शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित "पुशिंग द फ्रंटियर ऑफ एआई इन इंडिया" विषयक विशेष सत्र में प्रधान ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भारत में एआई के विकास को प्रोत्साहित करना और वैश्विक मंच पर देश की क्षमता को प्रदर्शित करना है। भारत तीव्र गति से एआई को अपनाते हुए वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की प्राप्ति में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रधान ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में एआई का उपयोग और एआई आधारित शिक्षा एक-दूसरे के पूरक हैं। आज की युवा पीढ़ी नई सोच और नवाचार की क्षमता से परिपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से एआई को अपनाने, इसके माध्यम से स्वयं को सशक्त बनाने और नए समाधान विकसित करने का आह्वान किया। इस सत्र का उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय एआई-इन-एजुकेशन रोडमैप को तैयार करना और उद्योग, शिक्षाविदों तथा सरकार के बीच सहयोग को मजबूत करना है। कार्यक्रम में शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि समिट में शिक्षा के विभिन्न स्तरों- प्रारंभिक शिक्षा, कौशल विकास, अनुसंधान और वैश्विक नेतृत्व में एआई के संरचित एकीकरण पर सार्थक चर्चा हुई।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

बांग्लादेश के जेन-जी ने वंशवाद स्वीकार किया?

बांग्लादेश में 2024 के जैन-जी विद्रोह के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। अब बांग्लादेश में नया चुनाव हो गया है। इस चुनाव में बांग्लादेश की वंशवादी पार्टी के वंशज तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी ले आगे आए हैं। बांग्लादेश में युवाओं ने वंशवादी पार्टी को भारी मात्रा में समर्थन देकर सत्ता तक पहुंचाया है। विद्रोह के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में जो अंतरिम सरकार बनी थी, उसके बाद बांग्लादेश में कुछ हद तक सामान्य स्थिति देखने को मिली थी। तारिक रहमान के माता और पिता दोनों ही प्रधानमंत्री बन चुके हैं। 2007 में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, और उनको जेल भी हुई थी। शेख हसीना की सरकार ने उन्हें कई मामलों में आरोपी ठहराया था। बांग्लादेश में हुए विद्रोह के बाद 2024 में जब अंतरिम सरकार बनी, उस समय उनके ऊपर लगे आरोपों को समाप्त कर दिया गया था।

2026 में उनकी पार्टी ने चुनाव लड़ा और एक बड़ी जीत हासिल की। 12 फरवरी को बांग्लादेश में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुए। शेख हसीना पर चुनाव में धांधली कराने का आरोप लगा था। उसकी तुलना में इस चुनाव में इस तरह का कोई आरोप देखने को नहीं मिला है। 2024 में शेख हसीना की मजबूत सत्ता को गिराने वाले युवाओं के नेतृत्व ने इस चुनाव में जो परिणाम दिए हैं, उसने सभी को आश्चर्यचकित किया है। युवा बदलाव के प्रतीक होते हैं। बांग्लादेश के युवाओं ने स्थाई शासन के लिए वंशवादी पार्टी को स्वीकार किया, जिसके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। युवाओं ने आरोपों पर ध्यान न देते हुए तारिक रहमान के ऊपर जो विश्वास जताया, उससे यह बात स्पष्ट है, युवा पीढ़ी जोश में होते हुए भी होश नहीं खोती है। वर्तमान प्रधानमंत्री तारिक रहमान अभी तक कोई संवैधानिक पद पर नहीं रहे हैं। लेकिन वह पार्टी के अंदर प्रभावशाली माने जाते हैं।

2007 में शेख हसीना की सरकार ने उन्हें जेल भेजा था। उसके बाद वह इलाज के लिए बांग्लादेश छोड़कर लंदन चले गए थे। शेख हसीना के शासनकाल में उनके ऊपर कई आरोप लगाए गए थे। 2024 में जब अंतरिम सरकार बनी तब सारे फैसले पलट दिए गए। वह 17 साल के बाद बांग्लादेश लौटे, शेख हसीना के प्रति गुस्सा और तारिक रहमान के प्रति सहानुभूति इस चुनाव में देखने को मिली है। शेख हसीना की सरकार में जिन राजनीतिक दलों को प्रतिबंधित किया गया था, वे इस चुनाव में नई भूमिका में आ गए हैं। इस समय बांग्लादेश आर्थिक एवं कूटनीतिक दबाव को झेल रहा है। बांग्लादेश अल्पविकसित देशों की सूची में शामिल है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

'इंडस्ट्री' की परिभाषा की सुप्रीम कोर्ट फिर करेगा व्यापक समीक्षा, 9 जजों की पीठ होगी गठित

नई दिल्ली। देश के श्रम कानूनों में प्रयुक्त शब्द 'इंडस्ट्री' की परिभाषा को लेकर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में व्यापक कानूनी समीक्षा होने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को संकेत दिया है कि इस पर विचार के लिए नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ गठित की जाएगी। यह पीठ औद्योगिक संबंध संहिता 2020 और उससे पहले लागू औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के तहत 'इंडस्ट्री' शब्द के दायरे को स्पष्ट करेगी। सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपिन एम पंचौली शामिल थे उन्होंने बताया कि बड़ी पीठ 17 मार्च से इस मामले की सुनवाई शुरू करेगी और संभावना है कि बहस अगले दिन तक पूरी कर ली जाएगी। इस संदर्भ में सात न्यायाधीशों की एक ऐतिहासिक पीठ द्वारा करीब 50 साल पहले दिए गए फैसले पर पुनर्विचार किया जाएगा। 1975 में न्यायमूर्ति वी आर कृष्णान अययर ने एक अहम फैसले में 'इंडस्ट्री' की पहचान के लिए जो कानूनी कसौटी तय की थी, उसे अब दोबारा परखा जाएगा। खासतौर पर उस फैसले के पैरा 140 से 144 में निर्धारित सिद्धांतों की वैधता और व्याख्या पर संविधान पीठ विचार करेगी। इसके अनुसार कोई भी संस्था या प्रतिष्ठान तभी 'इंडस्ट्री' माना जाएगा जब वहां नियमित और व्यवस्थित गतिविधियां संचालित होती हों, नियोक्ता और कर्मचारी के बीच संगठित सहयोग मौजूद हो, वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन अथवा वितरण इस उद्देश्य से किया जा रहा हो कि मानव की जरूरतों या इच्छाओं की पूर्ति हो सके।

आईसीजी और गुजरात एटीएस ने समुद्री सीमा पर 203 किलो क्रिस्टलाइन ड्रग बरामद किया

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात एटीएस ने बीती रातभर ऑपरेशन के बाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास मादक पदार्थ की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। पीछा करके पकड़ी गई नाव से संयुक्त टीम ने क्रिस्टलाइन कंटेंट के 203 किलो ड्रग्स बरामद किया, जो एक-एक किलो के पैकेट में था। पकड़ी गई नाव को चालक दल के दो सदस्यों के साथ आगे की जांच के लिए पोरबंदर लाया गया है। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने मंगलवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर 16 फरवरी को रातभर भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात एटीएस के साथ मिलकर समुद्र में एक ऑपरेशन किया। गुजरात एटीएस से इनपुट मिलने के बाद कोस्ट गार्ड रीजन (उत्तर पश्चिम) में मल्टी मिशन पर तैनात आईसीजी जहाज को विदेशी नाव का पीछा करने के लिए डायवर्ट किया गया, जिस पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास मादक पदार्थ की तस्करी करने का शक था। उन्होंने बताया कि घनी अंधेरी रात के बावजूद आईसीजी के जहाज ने इंसानी और टेक्निकल सर्विलांस के जरिए संदिग्ध नाव की पहचान की। पास आ रहे आईसीजी शिप को देखकर संदिग्ध नाव आईएमबीएल की ओर भागने लगी। इसके बाद शुरुआती दूरी के बावजूद पीछा करके स्पीड बोट को रोक लिया गया। नाव पर चढ़ने पर पता चला कि उस पर दो विदेशी क्रू मेंबर थे। नाव की अच्छी तरह से तलाशी ली गई, तो छिपाकर रखे गए एक-एक किलो के क्रिस्टलाइन कंटेंट के 203 पैकेट मिले, जिनके ड्रग्स होने का शक था।

सुप्रीम कोर्ट में लालू यादव की सजा निलंबन की याचिका पर सुनवाई टली

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव के देवघर जिला कोषागार घोटाले मामले में मिली सजा के निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई टल गई। अब इस मामले में सुनवाई अप्रैल में होगी। सजा के निलंबन को चुनौती देने के मामले में मंगलवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एनके सिंह की बेंच में सुनवाई हुई। इस दौरान सीबीआई के वकील ने कहा कि ये सभी आरोपी अवैध रूप से बाहर हैं और ये दोषसिद्धि के बाद की स्थिति है। सीबीआई की ओर से चारा घोटाले में सजा पाए आरोपियों के सजा से निलंबन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देवघर जिला कोषागार घोटाले में साल 1990 और 1994 के बीच देवघर ट्रेजरी से 89 लाख रुपए की कथित हेराफेरी शामिल है, जिसमें पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू यादव को इस घोटाले में दोषी ठहराया गया था। साल 2017 में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने उन्हें 3.5 साल की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही देवघर जिला पशुपालन विभाग को दवा और अस्पताल के लिए सामानों की खरीद के लिए 4.7 करोड़ रुपए दिए गए थे, लेकिन आरोप लगा कि घोटाला करने वालों ने फेक रसीद के सहारे 89 लाख रुपए से अधिक की राशि निकाल ली। इस केस में लालू यादव पर आरोप है कि उन्होंने पद का दुरुपयोग किया और मामले की जांच के लिए आई फाइल को अपने पास रोके रखा।

हमने भारत-फ्रांस रिश्तों को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया : पीएम

एजेंसी। मुंबई

माउंट एवरेस्ट तक उड़ने वाला एकमात्र हेलिकॉप्टर का निर्माण भारत में होगा

पीएम मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मुंबई के लोक भवन में बैठक जारी है। इस बातचीत का मकसद भारत और फ्रांस के बीच साझेदारी को और मजबूत बनाना है। भारत और फ्रांस के बीच आज करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये की बड़ी रक्षा डील हो सकती है। कीमत के हिसाब से यह भारत की अब तक की सबसे बड़ी सैन्य डील मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत को 114 राफेल फाइटर जेट मिलेंगे। दोनों नेता आज शाम बजे 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' की शुरुआत भी करेंगे। इसके अलावा वे दोनों देशों के उद्योगपतियों, स्टार्ट-अप्स, शोधकर्ताओं और इनोवेशन से जुड़े लोगों को संबोधित करेंगे। इससे पहले राष्ट्रपति मैक्रों ने आज मुंबई में मनोज बाजपेयी, अनिल कपूर, शबाना आजमी और ऋचा चड्ढा समेत कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज से मुलाकात की। राष्ट्रपति बनने के बाद मैक्रों का यह चौथा भारत दौरा है। इससे पहले वे मार्च 2018 में पहली बार भारत आए थे। इसके बाद वे सितंबर 2023 में G20 समिट के लिए और जनवरी 2024 में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनकर आए थे। भारत और फ्रांस के बीच 1998 से रणनीतिक साझेदारी है और दोनों देश रक्षा, तकनीक, अंतरिक्ष और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में साथ काम करते हैं। यह दौरा भी इसी सहयोग को आगे बढ़ाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

लखनऊ में कांग्रेस का विधानसभा घेराव, बैरिकेडिंग पर चढ़े कार्यकर्ता हुई पुलिस से झड़प

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को विधानसभा घेराव के ऐलान के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और विधायक आराधना मिश्रा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगाए गए बैरिकेड्स पर चढ़ गए। इस दौरान करीब एक घंटे तक धक्का-मुक्की और नारेबाजी का माहौल बना रहा। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में पहुंचे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को रोकने में पुलिस के पसीने छूट गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स और पीएसी के 500 से अधिक जवान तैनात किए गए। भारी मशक्कत के बाद पुलिस ने बैरिकेडिंग पर चढ़े नेताओं और कार्यकर्ताओं को नीचे उतारा और अरेस्ट कर बसों में भरकर उन्हें ईको गार्डन भेज दिया। इस दौरान बैरिकेड से उतरते समय अजय राय का पैर फिसल गया और वे लड़खड़ा गए, हालांकि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी उन्हें पकड़ते नजर आए। दरअसल, अजय राय ने मनरेगा, शंकराचार्य और माता अहिल्याबाई होल्कर से जुड़े मुद्दों को लेकर विधानसभा घेराव का आह्वान किया था।

गोवा समुद्री सम्मेलन 21 को, 14 देशों की नौसेनाएं सुरक्षा चुनौतियों पर करेंगी चर्चा

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का गोवा समुद्री सम्मेलन 21 फरवरी को गोवा के नौसैनिक युद्ध महाविद्यालय में होगा। यह सम्मेलन हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के समुद्री सुरक्षा विशेषज्ञों की सामूहिक बुद्धिमत्ता और परिचालन अनुभव को एक मंच पर लाएगा। सम्मेलन में समकालीन समुद्री चुनौतियों का समाधान निकालने के उद्देश्य से हिस्सा लेने वाली नौसेनाओं के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा की जाएगी। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी 14 देशों के नौसेना प्रमुखों, समुद्री बलों के प्रमुखों तथा वरिष्ठ प्रतिनिधियों की मेजबानी करेंगे। इन देशों में बांग्लादेश, कोमोरोस, इंडोनेशिया, केन्या, मेडागास्कर, मलेशिया, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड और तंजानिया शामिल हैं। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि होंगे। सम्मेलन में प्रख्यात वक्ता और विषय-विशेषज्ञ समुद्री सूचनाओं के वास्तविक समय में आदान-प्रदान और क्षमताओं को मजबूत करने के लिए संयुक्त प्रयासों पर चर्चा करेंगे। पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल अरुण प्रकाश मुख्य भाषण देंगे।

रहमान समेत 298 नवनिर्वाचित सांसदों ने ली शपथ, शपथ ग्रहण से पहले हुआ कुरान का पाठ

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश की 13वीं नेशनल पार्लियामेंट के लिए नवनिर्वाचित सांसदों ने नेशनल पार्लियामेंट के साउथ प्लाजा में शपथ ली। मंगलवार सुबह स्थानीय समयानुसार करीब 10:42 बजे मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने सभी 298 सांसदों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह से पहले कुरान का पाठ किया गया। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में 1,000 से ज्यादा स्थानीय और विदेश से आए खास मेहमान शामिल हुए। इसके साथ ही मुख्य समारोह स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे किया जाएगा, जिसमें राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन निर्वाचित सांसद तारिक रहमान को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलवाएंगे। इस समारोह में रहमान सरकार के शुरुआती मंत्रिमंडल को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। गौरतलब है कि शपथ ग्रहण समारोह के लिए भारत की ओर से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला शिरकत कर रहे हैं।

कर्नाटक में टाटा-एयरबस की एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन का उद्घाटन

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री ने प्रोजेक्ट में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश होने की उम्मीद जताई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कर्नाटक के वेमगल में टाटा-एयरबस के एच-125 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर फाइनल असेंबली का मुंबई से वर्चुअली उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन भी उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश होने की उम्मीद है। इससे हमारी कुशल और मेहनती युवा पीढ़ी के लिए सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के मौके पैदा होंगे। फ्रांसीसी रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन आज 6वीं भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा वार्ता के लिए बेंगलुरु पहुंचीं। वार्ता में रक्षा सहयोग समझौता अगले दस साल के लिए नवीनीकरण करने और हैमर मिसाइल बनाने को लेकर संयुक्त उपक्रम के लिए समझौता करने पर फोकस होगा। इससे पहले राजनाथ सिंह के साथ फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वॉट्रिन कर्नाटक के वेमगल में एयरबस एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह भी मौजूद थे। उद्घाटन समारोह में राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले भारतीय रक्षा उत्पादन कई वजहों से ज्यादातर पब्लिक सेक्टर पर आधारित था। इस वजह से कुल रक्षा उत्पादन और निर्यात में निजी क्षेत्र का योगदान उतना नहीं था, जितना होना चाहिए था। अब हमारा रक्षा निर्यात कई गुना बढ़ गया है, जिससे भारत दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल हो गया है। इस रफ्तार ने लघु उद्योगों और सहायक क्षेत्र को भी बहुत बढ़ावा दिया है। अभी बहुत सारी विदेशी कंपनियां भारतीय लघु उद्योगों से कई उपकरण लेती हैं। हम कंपनियों को अच्छे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के जरिए इस साझेदारी को और मजबूत करने और दूसरे देशों की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए बुलाते हैं। उन्होंने कहा कि यह 'मेक इन इंडिया' और एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अमित शाह, गडकरी समेत कई नेताओं ने वासुदेव बलवंत फड़के को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी समेत कई नेताओं ने महान क्रांतिकारी वासुदेव बलवंत फड़के की पुण्यतिथि पर मंगलवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा कि महान स्वाधीनता सेनानी और अमर बलिदानी फड़के ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति की नींव को मजबूत किया। उन्होंने युवाओं को मातृभूमि की स्वतंत्रता के ध्येय से जोड़ा। गडकरी ने मराठी में श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम क्रांतिकारी वासुदेव बलवंत फड़के की स्मृति दिवस पर उन्हें नमन करता हूं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें मां भारती का वीर सपूत, सशस्त्र संगठन 'रामोशी' का नायक और आद्य क्रांतिवीर बताते हुए उनके बलिदान दिवस पर नमन किया। उन्होंने कहा कि मातृभूमि की स्वाधीनता के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान युगों-युगों तक प्रेरणा देता रहेगा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने फड़के की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने मातृभूमि को स्वतंत्र कराने के लिए कोली, भील तथा धांगड़ समुदाय को एकत्र कर 'रामोशी' संगठन स्थापित किया और पुणे नगर में स्वतंत्रता की चेतना को सुदृढ़ किया।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास ख़बर

मेरठ के मेडिकल छात्र पर मेट्रो स्टेशन से पर्स चोरी का आरोप, 24 घंटे में गिरफ्तारी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मेट्रो यूनिट की नेहरू प्लेस मेट्रो थाना पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर चोरी का मामला सुलझाते हुए छह लाख रुपये से अधिक कीमत के सोने के गहने बरामद कर लिए। गहने एक 60 वर्षीय महिला के थे, जो टिकट काउंटर पर अपना पर्स भूल गई थीं। मेट्रो के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि 16 फरवरी को फरीदाबाद निवासी सुनीता ने शिकायत दी कि वह लाजपत नगर मेट्रो स्टेशन के टिकट काउंटर पर अपना पर्स भूल गई थीं। पर्स में चार सोने की अंगूठियां, एक सोने की चेन व पेंडेंट, एक जोड़ी सोने के झुमके और नकदी थी। मामले को गंभीता से लेते हुए मेट्रो पुलिस ने स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में एक युवक दिखाई दिया, जो पर्स उठाकर स्टेशन के अंदर जाता नजर आया। डिजिटल जानकारी के आधार पर और डीएमआरसी के सहयोग से आरोपित का पता मेरठ (उप्र) में चला। मेट्रो पुलिस ने मेरठ के स्थानीय मेडिकल थाने की मदद से आरोपित को पकड़ लिया। उसकी पहचान आजिम-उल-हक (25) के रूप में हुई। वह मेरठ के लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज में मेडिकल छात्र है। पुलिस ने आरोपित के पास से चार सोने की अंगूठियां, एक सोने की चेन व पेंडेंट, दो सोने के झुमके और पर्स में रखी नकदी बरामद कर ली। सभी सामान सुरक्षित रूप से शिकायतकर्ता को लौटाने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपित का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) और 317(2) के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है।

ट्रैफिक पुलिस को ब्लैकमेल करने वाला गिरोह बेनकाब, महिला सरगना समेत तीन गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-रॉबरी एंड स्नैचिंग सेल (एआरएससी) ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को फर्जी वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले एक और गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में महिला सरगना समेत अब तक तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गए आरोपित की पहचान समालखा, हरियाणा निवासी 32 वर्षीय महिला (सरगना), सचिन (35) और सुल्तानपुरी निवासी आमिर उर्फ सिकंदर के रूप में हुई है। आमिर उगाही के लिए फोन करता था। जबकि सचिन वीडियो एडिट करता था। पुलिस ने आरोपितों के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन बरामद किया हैं। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच थाने में 19 जनवरी 2026 को एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एक फर्जी और आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उनसे 1.20 लाख रुपये वसूले गए। पुलिस शिकायतकर्ता के बयान पर संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 10 फरवरी को पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया।

ऐसे चलता था ब्लैकमेल का खेलःजांच में सामने आया कि हरियाणा के समालखा निवासी 32 वर्षीय महिला इस गिरोह की मास्टरमाइंड है। वह अपने साथियों के साथ दिल्ली आकर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की चालान कार्रवाई के दौरान छिपे कैमरों से वीडियो रिकॉर्ड करती थी। इन वीडियो को गिरोह का सदस्य सचिन एडिट कर इस तरह से तोड़-मरोड़ देता था कि देखने में पुलिसकर्मी की गलती प्रतीत हो। इसके बाद आरोपित आमिर उर्फ सिकंदर पुलिसकर्मियों को फोन कर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने और झूठी शिकायत दर्ज कराने की धमकी देता था। वीडियो हटाने के बदले पैसे की मांग की जाती थी। जो लोग पैसे देने से इनकार करते, उन्हें बार-बार परेशान किया जाता और झूठी शिकायतें दर्ज कराई जातीं। रकम मिलने के बाद ही शिकायत वापस ली जाती थी।

पहले भी चल चुका है ऐसा गिरोहःपूछताछ में खुलासा हुआ कि महिला पहले रोहिणी निवासी अशोक कुमार उर्फ बबली नामक व्यक्ति के गिरोह से जुड़ी थी। दिसंबर 2025 में उसकी मौत के बाद उसने अपना अलग गिरोह बना लिया। वहीं आमिर पहले भी इसी तरह के एक अन्य गिरोह से जुड़े मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

हरियाणा के मंत्रियों ने नितिन नवीन से मुलाकात की

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। हरियाणा के मंत्रियों ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मंगलवार को मुलाकात की। इनमें हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य आपूर्ति राज्यमंत्री राजेश नागर और खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम शामिल हैं। भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में हुई इस मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए मंत्रियों ने बताया कि मुलाकात के दौरान भाजपा संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान पार्टी द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्रों में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं को लेकर बातचीत हुई।

तीस हजारी कोर्ट ने तुर्कमान गेट हिंसा के 12 आरोपितों को दी जमानत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने तुर्कमान गेट पर फैज ए इलाही मस्जिद का अतिक्रमण हटाने के दौरान पत्थर चलाने के बारह आरोपितों को जमानत दे दी है। एडिशनल सेशंस जज भूपेंद्र सिंह ने सभी 12 आरोपितों को जमानत देने का आदेश दिया।

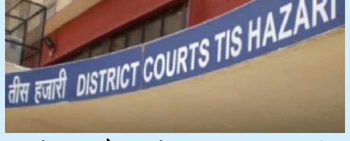

कोर्ट ने सभी आरोपितों को 50-50 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत देने का आदेश दिया। कोर्ट ने जिन आरोपितों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है उनमें मोहम्मद अदनान, मोहम्मद कैफ, मोहम्मद कासिफ, समीर हुसैन, मोहम्मद उबैदुल्लाह, मोहम्मद अरीब, मोहम्मद नावेद, मोहम्मद अतहर, अदनान, मोहम्मद इमरान, आमिर हमजा और मोहम्मद आदिल शामिल हैं। तीस हजारी कोर्ट ने 24 जनवरी को उबेदुल्लाह को जमानत दी थी। उसके पहले भी तीस हजारी कोर्ट ने उबेदुल्लाह को जमानत दी थी लेकिन उच्च न्यायालय ने जमानत के आदेश को निरस्त करते हुए उस पर दोबारा विचार करने का आदेश दिया था। 24 जनवरी को दोबारा तीस हजारी कोर्ट ने उबेदुल्लाह को जमानत देने का आदेश दिया था। सात और आठ जनवरी की दरम्यानी रात को रामलीला मैदान इलाके में फैज ए इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई। अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के बाद हिंसा भड़क गई और लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया। पथराव में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गये। दिल्ली पुलिस के मुताबिक एक सोशल मीडिया पोस्ट किया गया कि तुर्कमान गेट के सामने की मस्जिद को अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई में गिराया जा रहा है। उसके बाद लोग वहां जमा होने लगे।

देश के युवा प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत @2047' के विजन के शिल्पकार हैं: विजेंद्र गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय में आयोजित 35वें वार्षिक दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं है, बल्कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर के उन सपनों का प्रतीक है, जिन्होंने शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन की परिकल्पना की थी। विजेंद्र गुप्ता ने मेधावी छात्रों को शिक्षा, खेल

और पाठ्यक्रम गतिविधियों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। राष्ट्रीय दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रवर्तित 'विकसित भारत' के रोडमैप के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि युवा केवल विकसित भारत के लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि इस परिवर्तन के प्राथमिक शिल्पकार भी हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी की ऊर्जा और नवाचार ही भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के मिशन के पीछे की प्रेरक शक्ति है। गुप्ता ने कहा कि वर्तमान युग प्रतिभा और नवाचार का है। उन्होंने उल्लेख किया कि युवा एक पुनरुत्थानवादी भारत का हिस्सा हैं जो दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, "हमेशा याद रखें, आपकी डिग्री केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं है, बल्कि समाज के प्रति आपकी जिम्मेदारी की घोषणा है।" बाबासाहेब अम्बेडकर के प्रतिष्ठित अपील "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक संदर्भ में इसका अर्थ राष्ट्रीय चुनौतियों को हल करने और समावेशी विकास को गति देने के लिए शिक्षा का उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि असफलता केवल इस बात का संकेत है कि और अधिक प्रयास की आवश्यकता है। जीवन की असली दौड़ कॉलेज के बाहर शुरू होती है। जोखिम लेने से न डरें, गिरने के बाद संभलने वाले ही इतिहास रचते हैं। गुप्ता ने कहा कि तकनीक और आधुनिकता के युग में भी छात्रों को अपनी जड़ों और मानवीय मूल्यों से जुड़े रहना चाहिए। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए "युवा दिमागों को आकार देने" में कॉलेज प्रशासन और शिक्षकों की भूमिका की सराहना की। छात्रों को "वीर विठ्ठलभाई की गौरव गाथा" नामक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई जिसके माध्यम से उन्हें दिल्ली विधानसभा की समृद्ध विरासत से परिचित कराया गया। गुप्ता ने युवाओं को संबोधित करते हुए समझाया कि हालांकि इस इमारत को आज 'पुराना सचिवालय' के रूप में जाना जाता है, लेकिन राष्ट्रीय इतिहास में इसका गहरा स्थान है क्योंकि यह मूलतः सचिवालय और भारत की पहली संसद थी। उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को समझने के लिए संस्थागत विरासत को जानना हर नागरिक के लिए महत्वपूर्ण है। छात्रों को इस विरासत से जोड़े रखने के लिए गुप्ता ने घोषणा की कि कॉफी टेबल बुक 'शताब्दी यात्रा-वीर विठ्ठलभाई पटेल' कॉलेज की लाइब्रेरी में रखी जाएगी, जो छात्रों को भारत के लोकतांत्रिक विकास के इतिहास के बारे में जानने के लिए एक मूल्यवान संसाधन प्रदान करेगी। अंत में गुप्ता ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने छात्रों से इस अमृत काल के दौरान मिलकर एक ऐसा भारत बनाने की अपील किया जो मजबूत, समावेशी हो और हर युवा को अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने का अवसर प्रदान करे। इस कार्यक्रम में कॉलेज प्रशासन, संकाय सदस्य और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन 2026 नई दिल्ली में शुरू

लोकतंत्र की शान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो २०२६ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जेतिन प्रसाद भी उपस्थित थे। शिखर सम्मेलन राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों, मंत्रियों, वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं को एक साथ लाता है। प्रख्यात विद्वान, शोधकर्ता, बहुपक्षीय संस्थान और उद्योग शेयरधारक समावेशी विकास को आगे बढ़ाने, सार्वजनिक प्रणाली को मजबूत करने और सतत विकास को सक्षम करने में एआई की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे। एक्सपो का एक प्रमुख आकर्षण, तीन प्रमुख ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंजर्स, अर्थात् एआई फॉर ऑल, एआई बाय एचईआर और यूवीए, अपने फाइनलिस्टों की घोषणा और ग्रैंड फिनाले शोकेस के साथ समाप्त होंगे। समावेशी,

जिम्मेदार और विकासोन्मुख कृत्रिम बुद्धिमत्ता को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई इन चुनौतियों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक विकास उद्देश्यों के साथ संरेखित स्केलेबल, उच्च प्रभाव वाले एआई समाधानों में तेजी लाने के लिए लॉन्च किया गया था। 16 से 20 फरवरी 2026 तक चलने वाले पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन में 100 से अधिक सरकारी प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिनमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख और 60 मंत्री और उप मंत्री शामिल होंगे, साथ ही 500 से अधिक वैश्विक एआई नेता शामिल होंगे जिनमें सीईओ, संस्थापक, शिक्षाविद, शोधकर्ता, सीटीओ और परोपकारी संगठन शामिल होंगे। भारत एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन २०२६ वैश्विक एआई एजेंडे को आकार देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में भारत "की भूमिका को मजबूत करता है। लोगों, ग्रह और प्रगति के सात चक्रों और तीन सूत्रों में लंगर डाला। शिखर सम्मेलन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए एक विकासोन्मुख ढांचे को आगे बढ़ाता है। – रीमा सरमाह

भारत मंडपम में स्थापित 'राजस्थान एआई पवेलियन

» राज्य सरकार अधीन स्टार्ट अप एवं निवेश मॉडलों का प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः भारत सरकार द्वारा 20 फरवरी तक, नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडिया आर्टफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इम्पैक्ट समिट 2026 आयोजित किया जा रहा है। इसी प्रदर्शनी में प्रदेश केंद्रित "राजस्थान एआई पवेलियन" स्थापित किया गया है। 'पीपल, प्लेनेट और प्रोग्रेस' थीम के इर्द गिर्द रचे गए इस सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर एआई को विश्वसनीय, प्रभावी एवं समावेशी बनाए जाने हेतु विचार विमर्श किया गया। राजस्थान एआई पवेलियन में 20 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें 9 स्टॉल विभिन्न विभागीय और सरकारी पहलों को समर्पित हैं, जबकि 4 स्टॉल 'आई स्टार्ट' पंजीकृत एआई स्टार्टअप्स के लिए आरक्षित किए गए हैं। ये स्टार्टअप स्टॉल परिक्रमण आधार पर संचालित हो रहे हैं, जिससे राज्य के अधिक से अधिक नवाचार उद्यमों को भागीदारी का अवसर मिल सके। पवेलियन में 'राजकिसान' के माध्यम से एआई आधारित फसल स्वास्थ्य प्रबंधन, राजस्थान जन आधार प्लेटफॉर्म द्वारा डेटा-संचालित लक्षित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, तथा 'स्मार्ट' (सर्विस मैनेजमेंट विद आर्टफिशियल इंटेलिजेंस एण्ड रियल टाइम सिस्टम) प्रणाली के जरिए 360-डिग्री नागरिक प्रोफाइलिंग और रीयल-टाइम योजना मॉनिटरिंग को प्रदर्शित किया गया है। इसके अतिरिक्त राजनिवेश के साथ 'राज GPT' आधारित निवेश सुविधा प्रणाली को

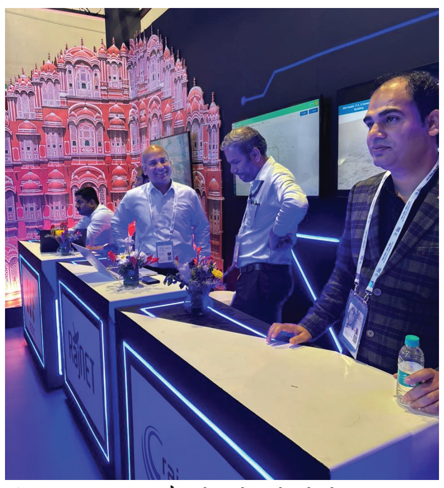

भी प्रस्तुत किया गया है, जो निवेशकों को प्रोत्साहन, भूमि प्रक्रिया और अनुमोदन संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करती है। एआई समिट प्रदर्शनी में राजस्थान सरकार द्वारा, राज्य द्वारा सामाजिक बदलाव एवं नीति शासन को सुचारू रूप से नियंत्रित करने की दिशा में एआई और मशीन लर्निंग की ज़रूरत और अभिग्रहण पर परिचर्चा भी की गई। राजस्थान एआई पवेलियन एक व्यापक मंच पर राज्य की एआई आधारित शासन दृष्टि और भविष्य की रूपरेखा को जनता एवं विश्व के प्रमुख एआई से जुड़े निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा है जिससे सरकारी के एआई से जुड़े तकनीकी प्रयासों को गति एवं निवेश मिलने की भी संभावना है।

कांग्रेस ने कुख्यात यौन अपराधी एपस्टीन के साथ केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के संबंधों को लेकर किए नए खुलासे

लोकतंत्र की शान ,जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के कुख्यात यौन अपराधी एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर नए खुलासे करते हुए उनके इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। पार्टी ने खुलासा किया है कि पुरी और एपस्टीन के बीच 2014 से 2017 के बीच गहरा संपर्क था और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के 20 दिनों के भीतर ही उनकी मुलाकातों का सिलसिला शुरू हो गया था। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस के मीडिया व पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन एवं प्रवक्ता पवन खेड़ा ने हरदीप सिंह पुरी के हालिया इंटरव्यू को झूठ का पुलिंदा करार दिया। उन्होंने कहा कि पुरी ने एपस्टीन के साथ केवल तीन-चार मुलाकातों की बात कही है, जबकि उनके बीच 62 ईमेल के आदान-प्रदान और 14 मुलाकातों के दस्तावेजी सबूत हैं। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि हरदीप पुरी 2014-17 के बीच एपस्टीन से बार-बार क्यों मिल रहे थे? प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण के तुरंत बाद ही यह संपर्क क्यों शुरू हुआ? जब 2014 में हरदीप पुरी सरकार का हिस्सा नहीं थे, तो वे किस हैसियत से एपस्टीन के साथ भारत सरकार की नीतियों और आधिकारिक घोषणा के आठ महीने पहले ही 'डिजिटल इंडिया' जैसे प्रोजेक्ट्स पर चर्चा कर रहे थे? उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री ने 'डिजिटल इंडिया' के बारे में भारत की

जनता से पहले एपस्टीन को बताने के निर्देश दिए थे? किसके दबाव में पुरी ने सजायाफ्ता अपराधी एपस्टीन के साथ संबंध बनाए रखे? क्या भारत की विदेश और रक्षा नीति में एपस्टीन गिरोह का हस्तक्षेप था? पवन खेड़ा ने एपस्टीन से संबंधों का हवाला देते हुए अरबपति बिल गेट्स के भारत में आयोजित हो रहे एआई समिट में शामिल होने पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गेट्स से भी डरती है, इसलिए सूत्रों के हवाले से कह रही है कि गेट्स को दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया गया है, जबकि खुद बिल गेट्स कह रहे हैं कि वह समिट में आएंगे और भाषण देंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सरकार एपस्टीन के पीड़ितों के साथ खड़ी है, तो उसे सूत्रों के माध्यम से कुछ कहने की क्या जरूरत है? उन्होंने कहा कि सोमवार को आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री बिल गेट्स का स्वागत कर रहे थे और दो दिन पहले नरेंद्र मोदी के द्वारा हरदीप पुरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी जा रही थीं, यानी भाजपा और उसके सहयोगी सभी को क्लीन चिट देने का काम कर रहे हैं। खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इकबाल मिट्टी में मिल चुका है, वे एपस्टीन के गिरोह के सदस्यों से डरते हैं।

कांग्रेस ने हरियाणा के छांयसा गांव में दूषित पानी से मौतों पर उठाए सवाल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने हरियाणा के पलवल जिले के ग्राम छांयसा में पिछले 15 दिनों में हुईं 12 मौतों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी ने कहा कि दूषित पानी और प्रशासनिक लापरवाही ने गांव में गंभीर हालात पैदा कर दिए हैं। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को एक्स पोस्ट में कहा कि छांयसा गांव में लिये गए 107 पानी के नमूनों में से 23 फेल पाए गए। कई नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिला है, जो मल-मूत्र से दूषित पानी का संकेत है। इलाके में पानी का क्लोरीनेशन नहीं हुआ और बिना शुद्धिकरण के पानी घरों तक पहुंचाया गया। गांव में 1,500 से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हुई, 800 से ज्यादा ओपीडी जांचें हुईं और 210 ब्लड सैंपल लिए गए। इनमें हेपेटाइटिस बी और सी के मामले सामने आए हैं। सुरजेवाला ने कहा कि यह स्थिति सरकार की अनदेखी और भ्रष्टाचार का नतीजा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार

गांव के केवल एक तिहाई हिस्से को ही पेयजल उपलब्ध करा रही है, जबकि बाकी लोग दूषित पानी या खरीदे गए पानी पर निर्भर हैं। उन्होंने हरियाणा में बढ़ते नशे के मामलों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ड्रग्स के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और युवा पीढ़ी इसकी चपेट में है। ड्रग माफिया ने हरियाणा को अपनी गिरफ्त में ले लिया है और सरकार इस पर रोक लगाने में नाकाम रही है। हरियाणा में ड्रग्स के मामले 81 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। सरसा, फतेहाबाद, रतिया, सोहना समेत पूरे प्रदेश में रोजाना ड्रग्स से बच्चों की मौत हो रही है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रिया कपूर की याचिका पर मंदिरा कपूर को जारी किया नोटिस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की पत्नी प्रिया कपूर की अपनी ननद के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मंदिरा कपूर स्मिथ को नोटिस जारी किया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने नोटिस जारी किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों से इस मामले पर बयानबाजी नहीं करने को कहा। प्रिया कपूर ने मानहानि याचिका में कहा है कि उनके पति की मौत जून 2025 में हो गई थी। उनके पति की मौत के तुरंत बाद उनके खिलाफ लगातार झूठे बयान दिए गए। याचिका में गया गया है कि मंदिरा कपूर स्मिथ और पॉडकास्टर पूजा चौधरी के पॉडकास्ट के जरिये उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई।

इस पॉडकास्ट से उन्होंने मानसिक प्रताड़ना झेली। प्रिया कपूर ने मंदिरा और पूजा से बीस करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। प्रिया कपूर ने उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाले पॉडकास्ट को हर प्लेटफार्म से हटाने की मांग की है। प्रिया कपूर ने अपनी सास रानी कपूर पर भी झूठी गवाही देने का आरोप लगाने वाली याचिका उच्च न्यायालय में दायर की है। दरअसल, संजय कपूर की मां रानी कपूर ने पारिवारिक ट्रस्ट आरके फैमिली ट्रस्ट को भंग करने की मांग की है। उच्च न्यायालय इस याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रिया कपूर को नोटिस जारी कर चुका है। रानी कपूर ने अपनी याचिका में कहा है कि आरके फैमिली ट्रस्ट के गठन और उसके प्रबंधन की परिस्थितियां सवालों के घेरे में हैं। उच्च न्यायालय में एक और याचिका दायर की जा चुकी है जिसमें संजय कपूर की 30 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति में करिश्मा कपूर के बच्चों ने हिस्सेदारी की मांग की है। उच्च न्यायालय उनकी याचिका पर फैसला सुरक्षित रख चुका है। याचिका में करिश्मा कपूर के बच्चों ने मांग की है कि उन्हें संजय कपूर का प्रथम श्रेणी का उत्तराधिकारी घोषित किया जाए और संजय कपूर की संपत्ति में से उन्हें पांचवें हिस्से का अधिकार दिया जाए। याचिका में अंतरिम मांग की गई है कि याचिका के निस्तारण तक संजय कपूर की व्यक्तिगत संपत्तियों को फ्रीज किया जाए।

जेईई-मेन रिजल्ट : एलन दिल्ली के अनय को 100 पर्सेन्टाइल

» दिल्ली में 99.9 पर्सेन्टाइल स्कोर के सर्वाधिक 32 स्टूडेंट्स एलन से

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः National Testing Agency की ओर से जेईई-मेन जनवरी सेशन का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट नई दिल्ली के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। वाइस प्रसीडेंट पंकज अग्रवाल ने बताया कि एलन दिल्ली के अनय जैन ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया है और हरियाणा स्टेट टॉपर भी है। एलन के 32 से अधिक स्टूडेंट्स ने 99.9 पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। इसमें रिशित गर्ग, सुशांत अग्रवाल, दिव्यांश ने 99.99 पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। इसके साथ ही निष्कर्ष सिंह, सहज गुप्ता, दक्ष सिक्का, अनीश आनन्द ने 99.98 पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। अभी तक देखे गए परिणामों में सैकड़ों स्टूडेंट्स ने 99

पर्सेन्टाइल से अधिक स्कोर किया है। अग्रवाल ने बताया कि देशभर में 12 स्टूडेंट्स को ओवरआल 100 पर्सेन्टाइलर घोषित किया गया है, इसमें से 8 स्टूडेंट्स एलन से हैं। जिनमे 7 क्लासरूम कोर्स व एक डिजिटल लर्निंग कोर्स से है गुरुग्राम निवासी , एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट कबीर छिल्लर ने 100 पर्सेन्टाइल के साथ परफेक्ट स्कोर 300 में से 300 अंक हासिल किए हैं। इसके साथ ही क्लासरूम कोर्स से अर्णव गौतम, शुभम कुमार, भावेश पात्रा, अनय जैन, निमय पुरोहित और चिरंजीब कर ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया है। वंही 100 पर्सेंटाइल हासिल करने वाले दिल्ली के छात्र श्रेयस मिश्रा एलन के डिजिटल कोर्स के स्टूडेंट है । रिजल्ट्स की ऑथेंटिसिटी एवं पारदर्शिता को बरकरार रखते हुए एलन ने इस बार भी अपने रिजल्ट्स को देश की बड़ी ऑडिट फर्म ई-वाई इंडिया से वैलिडेट करवाया है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों के उपलो के बिटोरो में लगी आग हजारों का नुकसान, दमकल ने पाया काबू

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः मंगलवार को तहसील क्षेत्र के गांव सोहरका में दोपहर के वक्त उसे समय अफरा तफरी मच गई जब गांव में खेतों में रखें उपलों के बिटोरो में अचानक आग लग गई, देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, धूए का गुब्बार दूर-दूर तक फैल गया, इस आग से ग्रामीणों के हजारों रुपए के उपले जलकर राख हो गए, घटना दोपहर बाद की है,

कि आग में गांव निवासी खूबचंद पुत्र किशन, सोमवती पत्नी रुमाल सिंह, सुधा पत्नी संजय सिंह, राहुल पुत्र गोविंद, नरेश पुत्र बलवंता, जयपाल पुत्र बलवंता और रामकिशोर पुत्र बलवंता सहित लगभग 10 ग्रामीणों के उपलो के बिटोरो मे आग लग गई तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैलने लगी आग की लपटे उठते देख बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया और साथ ही दमकल को सूचना दी गई फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची तथा कर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया, लेकिन जब तक बिटोरो में रखे हजारों रुपए के उपले पूरी तरह खाक हो चुके थे, घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस ने भी मौका पर पहुंच कर निरीक्षण किया, वही अग्निकांड में उपलो के नष्ट होने से उनके सामने आर्थिक समस्या खड़ी हो गई है, वही ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और तहसील अधिकारियों से अग्निकांड में ग्रामीणों को हुए नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है, वही आग लगने का स्पष्ट कारण पता नहीं लग सका है l

भव्य वार्षिकोत्सव में शिक्षा का संदेशः संभल में जुटे जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी

लोक तंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी : संभल। हिंदू पूरा खेड़ा स्थित एस.एम. जूनियर हाई स्कूल में आयोजित भव्य वार्षिकोत्सव समारोह शिक्षा, संस्कार और प्रतिभा का अद्भुत संगम बन गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के

सम्मानित समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधि चौधरी मुशीर अली खान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं थाना नखासा प्रभारी संजय बालियान की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों के आगमन पर विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने फूल-मालाओं और तालियों की गूंज के साथ भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। अपने संबोधन में चौधरी मुशीर अली खान ने कहा कि शिक्षा ही समाज की असली ताकत है और यही भविष्य निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी। थाना नखासा प्रभारी संजय बालियान ने भी बच्चों को कानून व्यवस्था और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें आगे बढ़ने की नई दिशा मिलती है। समारोह के अंत में मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय और प्रेरणादायक बना रहा।

ब्लॉक सभागार में केंद्रीय बजट सन 2026 विधानसभा चौपाल का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः मंगलवार कोब्लॉक सभागार में केंद्रीय बजट सन 2026 विधानसभा चौपाल का हुआ आयोजन हुआ जिसमें मंडल अध्यक्ष राजू राणा ने कहा कि यह बजट सबका साथ सबका विकास और विकसित भारत के लक्ष्य के साथ संरचनात्मक सुधारो को जारी रखने पर जोर देता है इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में ममता गुर्जर ब्लॉक प्रमुख हसनपुर उपस्थिति रही साथ में जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, जिला सह संयोजक हिमांशु त्यागी, मंडल अध्यक्ष उझारी कल्याण सिंह सैनी, मंडल अध्यक्ष रुखालू हुकम सिंह खड़कवंशी, प्रधान संघ अध्यक्ष यशपाल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल गर्ग ,मंडल महामंत्री सौरभ गुप्ता , मंडल उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह,भोजराम सिंह,आम्रपाली गुर्जर ,अजय पाल सिंह , विजय परछा सोशल मीडिया प्रभारी, प्रमोद कुमार रोहिल्ला, मंडल मंत्री ममता शर्मा, विभोर अग्रवाल, सोनिया प्रजापति, दीपमालावर्मा दिनेश कुमार, राहुल, विनोद, चमन सागर ,नरोत्तम सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंफ्रास्ट्रक्चर, मेडिकल शिक्षा और सेवाओं के विस्तार से तंदरुस्त हुआ प्रदेश

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में पिछले नौ वर्षों के दौरान व्यापक और संरचनात्मक परिवर्तन आया है। योगी सरकार ने स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने, मेडिकल शिक्षा का विस्तार करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने को प्राथमिकता दी है। नये अस्पतालों के निर्माण, पुराने अस्पतालों के कायाकल्प और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि ने तस्वीर को बदल दिया है।

अब 81 मेडिकल कॉलेज हो रहे संचालित-वर्ष 2017 तक प्रदेश में कुल 36 सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित थे। वर्तमान में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 81 हो चुकी है। योगी सरकार वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज के विजन के अनुरूप मेडिकल कॉलेज की स्थापना कर रही है। वहीं एमबीबीएस सीटों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में जहां लगभग 4,690 एमबीबीएस सीटें थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 12,700 हो चुकी है। पीजी सीटों में भी दोगुने से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है जिससे विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता में सुधार हुआ है। प्रदेश के 75 जिलों में जिला अस्पतालों का आधुनिकीकरण किया गया है। कई अस्पतालों में आईसीयू, एनआईसीयू, डायलिसिस यूनिट, ट्रॉमा सेंटर और आधुनिक पैथोलॉजी लैब की स्थापना की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। योगी सरकार 1,500 से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को क्रियाशील चुकी है। इनमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, जांच और गैरसंचारी रोगों की स्क्रीनिंग जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड और टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को विशेषज्ञ परामर्श से जोड़ा गया है।

ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के विधानसभा अध्यक्ष का जगह-जगह जोरदार स्वागत

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः मंगलवार को ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) नव मनोनीत विधानसभा अध्यक्ष छून्नन अल्वी का हसनपुर में विभिन्न स्थानों पर समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया, सर्वप्रथम समर्थकों ने शाहपुर कला मे रईस सैफी मुन्नू सैफी आदि ने स्वागत किया वहीं रहरा अड्डे पर कमरुद्दीन सैफी दिलशाद सैफी रहिस सैफी आदि ने जोरदार स्वागत किया काफिले के आगे बढ़ने पर खान ज्यादा साहब पर मलिक इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक आदिल मलिक जलालुद्दीन मलिक ने स्वागत किया, वहीं स्वागत क्रम में कनेटा रोड पर दिलशाद चौधरी, वसीम कुरैशी, मुताबिल चौधरी आदि ने स्वागत किया वही विधानसभा अध्यक्ष छून्नन अल्वी का काफिला संभल अड्डे पर पहुंचा तो वहां मौजूद समर्थक शोएब चौधरी, हाफिज आसिफ, शहज़ेब सलमानी आदि ने स्वागत किया इसके बाद स्वागत कार्यक्रम लालबाग में भी जारी रहा जहां सादिक कादरी, फिरोज अंसारी, असीम अंसारी आदि ने ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के नव मनोनीत विधानसभा अध्यक्ष छून्नन अल्वी का जोरदार स्वागत किया, वही एक स्थान पर तो समर्थकों ने फूलमालाओं के साथ-साथ नोटों के हर से विधानसभा अध्यक्ष को लाद दिया, इस मौके पर अशफाक सैफी, हसमत सैफी, नरेश जाटव, शीशपाल जाटव, मुकेश जाटव आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता समर्थक मौजूद रहे l

S P ने किया थाना सैदनगली का वार्षिक निरीक्षण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर / सैद नंगली : पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद द्वारा थाना सैदनगली का वार्षिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय/परिसर, हवालात, भोजनालय, मिशन शक्ति केन्द्र साइबर सेल, थाने की राजकीय सम्पत्ति व अभिलेख आदि को चेक किया गया । ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रुम का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर आदि का अवलोकन करते हुए दस्तावेजों को अद्यावधिक रखने व रख-रखाव को दुरस्त करने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए तथा मालखाने में रखे शस्त्रों, दंगा नियंत्रण उपकरणों की साफ सफाई व रख रखाव का जायजा लिया, पुलिसकर्मियों से शस्त्र हेंडलिंग करायी गयी व थाना परिसर में खडें माल मुकदमाती एवं लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया । टॉप-10 अपराधियों की सूची का अवलोकन कर अपराधियों पर और अधिक प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया । वांछित/ईनामी अपराधियों एवं गैर जमानती वारण्टियों की गिरफ्तारी के अभियान की समीक्षा कर अधिक से अधिक कार्यवाही कर गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिये गये । बीट पुलिसकर्मियों की बीट बुक चैक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । निरीक्षण के दौरान महोदय द्वारा थाना सैदनगली क्षेत्र के ग्राम प्रहरियों संग वार्ता की गयी एवं उन्हें सजग रहने, छोटी से छोटी घटना की जानकारी तत्काल थाना को देने एवं ग्राम मौहल्लों में हो रही गतिविधियों पर नजर रखने हेतु निर्देशित किया गया तथा सराहनीय कार्य करने वाले ग्राम प्रहरियों को नकद पुरस्कार से पुरुस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया। निरीक्षण के पश्चात थाना प्रभारी व अन्य अधिकारीगण से वार्ता कर कुशलक्षेम लिया गया तथा मिशन शक्ति केन्द्र में नियुक्त पुलिसकर्मियों को महिला सम्बन्धित शिकायतों/अपराधों को प्राथमिकता पर लेते हुये गुण-दोष के आधार पर निष्पक्ष, त्वरित, प्रभावी कार्यवाही करने हेतु बताया गया । इस दौरान क्षेत्राधिकारी हसनपुर, प्रभारी थाना सैदनगली आदि कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

चौधरी मुशीर अली खान की अगुवाई में रमज़ान को लेकर बड़ी पहल

अफ़्तार–सेहरी एलान की मांग पर जिलाधिकारी राजेन्द्र पेंसिया ने दिया सकारात्मक आश्वासन

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/बहजोईः रमज़ानुल मुबारक के पवित्र महीने के मद्देनज़र जनपद में तैयारियों को लेकर ज़िला मुख्यालय बहजोई में एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी राजेन्द्र पेंसिया से शिष्टाचार भेंट कर अफ़्तार और सेहरी के समय लाउडस्पीकर से एलान की अनुमति देने की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि रोज़ेदारों को सही समय की जानकारी मिलना आवश्यक है, ताकि वे नियत वक्त पर रोज़ा इफ्तार और सेहरी कर सकें। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने किया। उन्होंने गंभीरता और स्पष्टता के साथ समुदाय की भावनाओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखते हुए कहा कि रमज़ान का महीना इबादत, सब्र और इंसानियत का पैग़ाम देता है। ऐसे में प्रशासनिक सहयोग से व्यवस्था और भी बेहतर हो सकती है। उन्होंने भरोसा जताया कि संभल की गंगा-जमुनी तहज़ीब और आपसी भाईचारे की परंपरा को कायम रखते हुए सभी लोग मिलजुलकर इस पवित्र महीने को अमन व शांति के साथ मनाएंगे। ज़िला अध्यक्ष असद अब्दुल्लाह ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि

रोज़ेदारों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए प्रशासन से सकारात्मक निर्णय की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि समाज और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से ही त्यौहारों की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती है। जिलाधिकारी राजेन्द्र पेंसिया ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि शासन के दिशा-निर्देशों एवं नियमों के अनुरूप उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता सभी धर्मों के पर्वों को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराना है। इस अवसर पर शकील अशरफी सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। बैठक का वातावरण सौहार्दपूर्ण रहा और प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों के बीच सकारात्मक संवाद देखने को मिला। रमज़ान से पूर्व इस पहल को समुदाय के बीच सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा

पीएम श्री विद्यालय का वार्षिक उत्सव भव्य रूप से सम्पन्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर : मंगलवार को विकासखंड क्षेत्र गंगेश्वरी के पीएम श्री विद्यालय कुटी दौलतपुर में वार्षिक उत्सव कार्यक्रम अत्यंत भव्य, एवं गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नाट्य मंचन एवं आकर्षक नृत्य के माध्यम से ग्रामवासियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। पूरे विद्यालय परिसर में बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं सांस्कृतिक समृद्धि की अनुपम झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ब्लॉक क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए विद्यालय परिवार का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पीएम श्री विद्यालय योजना के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, संस्कारित एवं गुणवत्ता पूर्ण बनाने का लक्ष्य तेजी से साकार हो रहा है।

उन्होंने बच्चों की प्रतिभा एवं शिक्षकों के समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायी उदाहरण बताया।बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां वार्षिक उत्सव के दौरान बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख प्रस्तुतियां इस प्रकार रहीं —"नन्हे कदम – विकसित भारत की ओर" (देशभक्ति समूह नृत्य) "राधा-कृष्ण दिव्य झांकी" (धार्मिक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति) "बेटी है सम्मान – राष्ट्र की पहचान" (सामाजिक संदेश पर आधारित नाटक) "भारत की लोक संस्कृति यात्रा" (विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य) "स्वच्छ भारत – स्वस्थ समाज" (जनजागरूकता नाट्य मंचन) "नन्हे सितारों का रंगारंग धमाल" (फ्यूजन एवं फिल्मी समूह नृत्य) कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं सुसंगठित संचालन गुरमीत कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति शैली से पूरे कार्यक्रम को ऊर्जावान एवं आकर्षक बनाए रखा। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षिक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें जिला अध्यक्ष यशपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष गौरव नागर, ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,ब्लॉक मंत्री प्रदीप भाटी वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, महिपाल सिंह, असलम एआरपी संजीव मौर्य , राकेश शर्मा, राजवीर सिंह, मोनिका रानी, मोनू त्यागी सहित शिक्षकगण एवं क्षेत्र के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक संजय यादव ने सभी अतिथियों, ग्रामवासियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक, नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों से जोड़ने के लिए सतत प्रयासरत है तथा भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

सहकार से समृद्धि : एम-पैक्स से 54 लाख किसान बने आत्मनिर्भर

लोक तंत्र की शान

लखनऊ : प्रदेश में सहकारिता आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में योगी सरकार के एम-पैक्स सदस्यता महाअभियान का व्यापक परिणाम दिख रहा है। अभियान के जरिए अब तक करीब 54 लाख किसान सहकारी ढांचे से जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़े हैं। योगी सरकार का फोकस बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (एम-पैक्स) से लोगों को जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती वित्तीय और कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

गांवों में ऋण प्रवाह बढ़ा और छोटे किसानों को मिली सहूलियतें-योगी सरकार द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत किसानों को कम ब्याज दरों पर फसली ऋण, उन्नत गुणवत्ता के बीज और उर्वरक उपलब्ध

कराए गए। इससे खेती की लागत घटाने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से जिला सहकारी बैंकों में दो लाख से अधिक नए खाते खोले गए हैं। इन खातों में अब तक लगभग 550 करोड़ रुपये की राशि जमा कराई जा चुकी है। वहीं, सदस्यों की भागीदारी से 110 करोड़ रुपये की अंश पूंजी जुटाई गई जिसके आधार पर कुल 660 करोड़ रुपये की धनराशि सहकारी तंत्र में प्रवाहित हुई। इससे गांवों में ऋण प्रवाह बढ़ा है और छोटे किसानों को सहूलियतें आसान हुई हैं।

इमाम खुमैनी अवॉर्ड विजेता मौलाना कल्बे जवाद का दरगाह में ऐतिहासिक स्वागत, नए प्रशासक की नियुक्ति पर मुबारकबाद

» दरगाह के नये प्रशासक मौलाना शबाब नक़्वी का दरगाह पंहुचने पर हुआ भव्य स्वागत

लोक तंत्र की शान

नजीबाबाद । विश्व प्रसिद्ध दरगाह ए आलिया नजफ़ ए हिन्द में सोमवार शाम उस समय ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला, जब शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी और दरगाह के नवनियुक्त प्रशासक मौलाना सैयद शबाब हैदर नकवी ज़ियारत के लिए पहुंचे। शाम लगभग 7 बजे उनके आगमन पर जिला बिजनौर सहित बाहर से आए मोमिनीन ने गर्मजोशी और अकीदत के साथ भव्य स्वागत किया। अकबर गेट से लेकर हज़रत अली (अलैहिस्सलाम) के रोज़े

तक "नाराए हैदरी" की गूंज से पूरा इलाक़ा रोशन हो उठा। मोमिनीन ने मौलाना कल्बे जवाद को ईरान में मिले इमाम खुमैनी अवॉर्ड की मुबारकबाद पेश की, वहीं मौलाना शबाब हैदर नक़्वी को दरगाह का प्रशासक नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं दीं। दोनों उलेमा ने सैकड़ों अकीदतमंदों के साथ ज़री ए मुबारक की ज़ियारत की। ज़ियारत के बाद एक महफ़िल-ए-मसर्रत का आयोजन किया गया, जिसकी शुरुआत कलामे पाक की तिलावत से हुई। क़ारी ज़ुल्फ़कार अली मेमन सादात ने निज़ामत की, जबकि शहनशाह बजनौरी ने नाते पाक पेश कर महफ़िल को रूहानी बना दिया। नवनियुक्त प्रशासक मौलाना सैयद शबाब नक़्वी ने अपने नूरानी बयान में दरगाह की बेहतरी और विकास के लिए सभी से सहयोग की अपील की तथा चेयरमैन अली ज़ैदी और मौलाना कल्बे जवाद का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि जो दरगाह की ख़िदमत और तरक़्क़ी में योगदान देगा, वही क़दम से क़दम मिलाकर चलेगा। इसके बाद मौलाना सैयद कल्बे जवाद ने अपने ख़िताब में दरगाह की तरक़्क़ी पर ज़ोर देते हुए उलेमा और प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने देश व दुनिया, खासकर अपने वतन भारत में अमन-ओ-अमान कायम रहने की दुआ कराई। कार्यक्रम के अंत में दोनों उलेमा को फूल-मालाओं, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में उलेमा, बुद्धिजीवी वर्ग और मोमिनीन की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया।

अमरोहा जिले में 68 केंद्रो पर 51,277 परीक्षार्थी बोर्ड की परीक्षा देंगे, D M ने किया कंट्रोल रूम का निरीक्षण

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहाः बता ते चले कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो रही है जिनको नकल विहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है, इसी के चलते जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने राजकिय इंटर कॉलेज में स्थापित परीक्षा कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया, जिलेभर में 68 परीक्षा केंद्र पर कुल 51277 परीक्षार्थी बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल होंगे वही आपको बता दे की निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी मॉनिटरिंग सिस्टम, प्रश्न पत्रों की सुरक्षा व्यवस्था, केंद्र बार रिपोर्टिंग प्रणाली और तैनात कर्मियों की उपस्थिति की

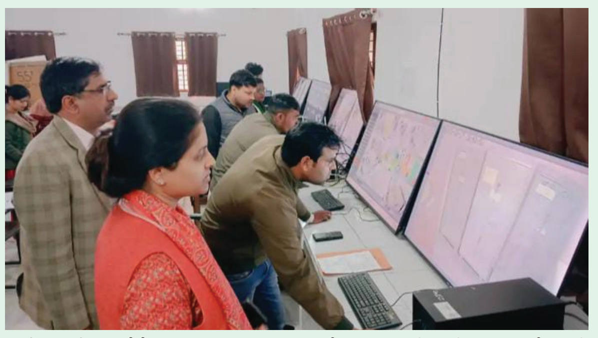

समीक्षा की, उन्होंने सुनिश्चित किया कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से कार्य कर रही हैं, जिलाधिकारी ने सभी परीक्षा केंद्र पर लगे सीसीटीवी कैमरो से निरंतर और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए वहीं उन्होंने कहा कि किसी भी केंद्र पर अवांछित गतिविधि की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम और संबंधित अधिकारियों को दी जाए ताकि समय रहते कार्यवाही की जा सके,वहीं उन्होंने कंट्रोल रूम प्रभारी को कक्षाओं में कैमरों की स्पष्ट दृश्यता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए जिससे परीक्षा कक्षा की गतिविधियों पर पैनी नज़र रखी जा सके, वही तकनीकी समस्याओं के समय पर समाधान के लिए कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश दिए, जिला अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शांतिपूर्ण नकल मुक्त और निष्पक्ष परीक्षा कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने की निर्देश दिए ताकी परीक्षा व्यवस्था सुचारु रूप से संपन्न हो सके, वहीं उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रश्न पत्र वितरण प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने जोर दिया की बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण चरण है इसके लिए किसी भी प्रकार की नक़लिया अनुचित साधनों के प्रयोग को कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, उन्होंने अधिकारियों को सतर्कता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए वहीं उन्होंने कहा की परीक्षा अवधि में कंट्रोल रूम से निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी और किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी l

संक्षिप्त समाचार

पटना जू में राजगीर से आईं 2 शेरनियां, मार्च के पहले सप्ताह से ऑनलाइन टिकट बुकिंग भी शुरू होगी

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना जू में अगले महीने से 2 शेरनियां दर्शकों को देखने को मिलेंगी। वन्यजीव अदला-बदली कार्यक्रम के तहत 15 फरवरी को राजगीर जू सफारी से 2 शेरनियों को पटना के संजय गांधी जैविक उद्यान यानी की पटना जू में लाया गया है। इसके अलावा पटना जू से एक शेरनी 'पार्वती' को राजगीर जू सफारी भेजा गया है। इन दोनों को 30 दिनों के क्वारंटाइन में रखा गया है। पटना जू प्रशासन ने कहा कि राजगीर जू सफारी से प्राप्त दोनों शेरनियों को केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के क्वारंटाईन मानकों के तहत 30 दिनों के क्वारंटाईन के बाद ही दर्शकों के लिए डिस्प्ले किया जाएगा। इसके अलावा मार्च के पहले सप्ताह से जू में ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा शुरू हो जाएगी। जू प्रशासन के अनुसार इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। हालांकि ऑफलाइन टिकट व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी। इसके अलावा जू में जल्द ही गाइड की सुविधा भी शुरू की जाएगी, जिसका लाभ दर्शक निर्धारित शुल्क देकर उठा सकेंगे। ये मादा शेर गुजरात के गिर के जंगल में पाए जाते हैं। वहां से राजगीर लाए गए थे। राजगीर जू सफारी में शेरों की संख्या 11 थी। साल 2024-25 के दौरान 7 शावकों का जन्म हुआ था। वहां का वातावरण प्रजनन के लिए काफी अनुकूल है। अदला-बदली के बाद अब वहां 10 शेर बचे हैं। ब्लड लाइन बदलने और आनुवंशिक विविधता बढ़ाने के लिए राजगीर जू सफारी से दो मादा शेर लाई गईं हैं। सेंट्रल जू अथॉरिटी ऑफ इंडिया की अनुमति मिलने के बाद मिले हैं।

बिहार में बनेगा 400मी. रेस के लिए मॉडर्न एथलेटिक्स एकेडमी

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया करेंगी प्रतिभाओं की पहचान, अंजू बॉबी जॉर्ज होंगी समिति अध्यक्ष

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में जल्द ही 400 मीटर रेस के लिए अत्याधुनिक एथलेटिक्स एकेडमी बनेगी। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इसपर सहमती जताई है। फेडरेशन की ओर से जल्द ही डिटेल प्रस्ताव बिहार राज्य खेल प्राधिकरण को भेजा जाएगा। पोर्टब्लेयर में आयोजित एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (AFI) की एग्जीक्यूटिव कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में बिहार में खेल के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण फैसले लिए गए। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बैठक में बिहार में एथलेटिक्स के विकास को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। राज्य में एथलेटिक्स प्रतिभाओं की पहचान को व्यवस्थित और वैज्ञानिक आधार देने के उद्देश्य से फेडरेशन ने एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है, जिसकी अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज करेंगी। यह समिति बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के पास उपलब्ध खिलाड़ियों के डेटा का विश्लेषण कर संभावनाशील प्रतिभाओं का चयन करेगी। बिहार की आवश्यकताओं के अनुरूप 'स्टेट स्पेसिफिक कोच डेवलपमेंट प्रोग्राम' संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इससे स्थानीय प्रशिक्षकों की क्षमता में वृद्धि होगी और खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध हो सकेगा। इसके अलावा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से चिह्नित और चयनित क्षेत्रों में अपने विशेषज्ञों की टीम भेजकर जमीनी स्तर पर प्रतिभा पहचान अभियान चलाने पर सहमति जताई है। यह पहल ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

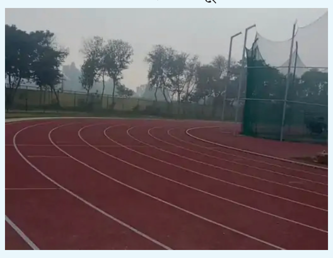

उत्पाद विभाग की टीम से धक्का-मुक्की, अवैध शराब कारोबार की सूचना पर रेड करने पहुंची थी टीम

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मधुरापुर में शराब कारोबारियों ने उत्पाद विभाग की टीम से धक्का-मुक्की कर घायल कर दिया। इस हमले में उत्पाद विभाग के तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल कर्मियों की पहचान चंदन कुमार (28), अमित राज और अनुराग गौतम के रूप में हुई है। चंदन कुमार के पिता का नाम राजेंद्र पासवान है। उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि मधुरापुर में बड़े पैमाने पर शराब का अवैध कारोबार चल रहा है। इसी सूचना के आधार पर टीम छापेमारी करने पहुंची थी। छापेमारी के दौरान स्थानीय शराब कारोबारियों और महिलाओं ने टीम पर हमला कर दिया। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक भूपेंद्र कुमार ने बताया कि तीन जवान घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। उन्होंने यह भी बताया कि हमलावरों को चिह्नित कर प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

वैशाली में गंगा घाट पर मिला अज्ञात युवक का शव, बीस फीट ऊंचे किनारे से पुलिस ने मशक्कत कर निकाला

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के देसरी थाना क्षेत्र के गनियारी गंगा घाट पर सोमवार को मिले शव की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। सोमवार की दोपहर लोगों ने पानी में एक युवक का शव उपलाता हुआ देखा। कुछ ही मिनटों में मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और घटना क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही देसरी थाना के पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने करीब 20 फीट ऊंचे खड़े किनारे के पास फंसे शव को कड़ी मशक्कत के बाद पानी से बाहर निकाला। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। युवक की उम्र लगभग 40 वर्ष बताई जा रही है। उसके शरीर पर ब्लू जींस, काली बेल्ट, सफेद-नीले चेक की शर्ट और पैरों में भूरे-सफेद रंग के जूते थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। स्थानीय लोगों और पुलिस का मानना है कि शव संभवतः कहीं और से बहकर गंगा के किनारे आकर फंस गया होगा। फिलहाल देसरी थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रभारी जिला कृषि पदाधिकारी गिरफ्तार, एसवीयू ने 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा, मौके से ड्राइवर को भी दबोचा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ विशेष निगरानी इकाई (SVU) ने बड़ी कार्रवाई की है। अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सह प्रभारी जिला कृषि पदाधिकारी हिमांशु कुमार और उनके ड्राइवर रामबाबू राय को 50,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, खाद दुकानदार ने पटना स्थित विशेष निगरानी इकाई के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। परिवादी का आरोप था कि प्रभारी जिला कृषि पदाधिकारी हिमांशु कुमार जांच के नाम पर उसे प्रताड़ित कर रहे हैं। दुकान का लाइसेंस रद्द करने की धमकी दी जा रही है। ड्राइवर रामबाबू राय के माध्यम से 50,000 रुपए की रिश्वत की डिमांड कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद टीम ने गुप्त जांच और सत्यापन किया। रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि होने पर पुलिस उपाधीक्षक बिंदेश्वर प्रसाद और सुधीर कुमार के नेतृत्व में एक विशेष 'धावा दल' (ट्रैप टीम) का गठन किया गया। मंगलवार को टीम ने मुजफ्फरपुर में योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। जैसे ही ड्राइवर रामबाबू राय ने अधिकारी के इशारे पर परिवादी से रिश्वत की राशि स्वीकार की, पहले से मौजूद टीम ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके पर केमिकल टेस्ट के जरिए रिश्वत के लेन-देन की पुष्टि की गई। इस मामले में पटना निगरानी थाना में कांड संख्या 06/26 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर हिरासत में ले लिया गया है। SVU की टीम फिलहाल आरोपियों के अन्य ठिकानों और आय से अधिक संपत्ति के पहलुओं पर भी जांच कर रही है।

मैट्रिक एग्जामः मोबाइल बैन, गेट फांदकर पहुंचे लड़के-लड़कियां

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार मैट्रिक वार्षिक परीक्षा आज से शुरू हो हो गई। इसके लिए 1699 सेंटर्स बनाए गए हैं। परीक्षा में कुल 15.12 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। सीवान में मैट्रिक परीक्षा के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। दारौंदा प्रखंड के गोरखनाथ ITI कॉलेज के डायरेक्टर ने परीक्षा केंद्र के अंदर से फेसबुक लाइव कर दिया। सेंटर के अंदर मोबाइल बैन था। SDM अनिता सिन्हा ने बताया, "वीडियो परीक्षा शुरू होने से पहले का है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि वीडियो किसी परीक्षार्थी ने नहीं बल्कि ITI के डायरेक्टर ने बनाया है।" उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा मानकों और गोपनीयता नियमों के उल्लंघन का मामला गंभीर है। इसके लिए डायरेक्टर सुनील के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वीडियो सामने आने के बाद जांच के आदेश दिए गए हैं। सेंटर के स्टूडेंट्स और जिम्मेदार लोगों से पूछताछ की जा रही है।

एंट्री नहीं मिलने पर रोते दिखे

वैभव सूर्यवंशी ने नहीं दिया एग्जामः आज से ही CBSE बोर्ड का भी एग्जाम भी शुरू हुआ है। क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी इस बार दसवीं का पेपर नहीं दे रहे हैं। पोद्दार इंटरनेशन स्कूल में उनका सेंटर था। उनके घर वालों ने बताया कि वो टूर्नामेंट की तैयारी में व्यस्त हैं। वैभव के स्कूल के प्रिंसिपल एएनके सिन्हा ने बताया, वैभव आज एग्जाम देने नहीं आए। उनके पास कई ऑप्शन हैं। हो सकता है ऑनलाइन पढ़ाई करें या बाकी परीक्षाओं में आएं। आज की परीक्षा में हमने वैभव को अपसेंट मार्क किया है। हमने वैभव को माइंड में रखते हुए सुरक्षा और बाकी चीजों के लिए पूरे इंतजाम किए थे।

7 शहरों में दीवार फांदकर सेंटर में पहुंचे छात्रः इधर, बिहार बोर्ड के दसवीं के एग्जाम में पटना के मिलर स्कूल में एक छात्रा 10 फीट ऊंची दीवार कूदकर सेंटर के अंदर घुसा, हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने उसे बाहर निकाल दिया। लेट होने की वजह से उसे गेट से एंट्री नहीं मिल पाई थी। बक्सर में भी एक छात्रा सेंटर की दीवार फांदकर अंदर पहुंची। बेगूसराय में भी तीन छात्राएं दीवार फांदकर सेंटर के अंदर घुस गईं। पटना के गर्दनीबाग बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी छात्रा गेट पर चढ़कर सेंटर के अंदर जाती दिखी। गोपालगंज के वीएम इंटर कॉलेज सेंटर में भी छात्रा दीवार से अंदर पहुंची। मुंगेर जिले के जमालपुर में एनसी घोष प्लस टू हाई स्कूल में एक छात्र दीवार फांदकर सेंटर में घुसा।

जिले के सभी प्रखंडों में हो दमकल की व्यवस्थाःभुवन अग्रवाल

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः नॉर्थ ईस्टर्न बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर जिले के सभी प्रखंडों में दमकल की व्यवस्था करने की मांग की है| चैम्बर अध्यक्ष सह विधान पार्षद अशोक अग्रवाल के निर्देश पर मुख्यमंत्री को लिखे पत्र की जानकारी देते हुए चैम्बर महासचिव भुवन अग्रवाल ने कहा कि कटिहार जिले के कुरसेला प्रखंड स्थित दुर्गा मंदिर नया हाट में रविवार की देर रात हुई भीषण अग्निकांड में तीन सौ से अधिक दुकानें जलकर राख हो गई| अगलगी की इस घटना में करोड़ों रुपये की क्षति का अनुमान है| पीड़ित परिवारों की रोजी-रोटी छीन गई और सड़क पर आ गए है। पीड़ितों के बीच राहत के रूप में तत्काल खाने-पीने के सामान तिरपाल और मुआवजा देने की मांग की है ताकि अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके| महासचिव ने कहा है कि चैत्र के महीने में अगलगी की घटनाओं में अप्रत्याशित वृधि हो जाती है। अगलगी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सरकार को सचेत रहने की जरुरत है। साथ ही जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में प्रयाप्त मात्रा में दमकल की व्यवस्था की जाय ताकि आग पर समय रहते काबू पाया जा सके। अगर प्रखंड मुख्यालयों में दमकल की व्यवस्था होती तो कुरसेला में इतनी बड़ी क्षति नहीं होती। विकराल होती आग पर काबू पाने के लिए पूर्णिया और भागलपुर जिलों से दमकलों को बुलाना पड़ा। कटिहार जिले में अवस्थित अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ियों की स्थिति इन दिनों काफी दयनीय है।दयनीय दमकलों से कटिहार जितने बड़े शहर में आग पर काबू पाना अत्यंत ही कठिन ही नहीं बल्कि असम्भव है।चैम्बर ने अग्निशमन विभाग के दमकलों की दयनीय हालत को देखते हुए इसे जल्द दुरुस्त करने तथा जिले में और दो नए दमकलों का प्रावधान करने की मांग मुख्यमंत्री से की है|

मुकेश सहनी के करीबी नीतीश द्विवेदी ने बनाया अपना संगठन

लोकतंत्र की शान , पटना

मुकेश सहनी के करीबी नीतीश कुमार द्विवेदी ने अपना संगठन बनाया है। उन्होंने 'नौजवानों की आवाज' सामाजिक संगठन की घोषणा की है। आज उन्होंने पहली बैठक आयोजित की जिसकी अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार द्विवेदी ने की। वह बिहार के 38 जिलों मे 19 महीनों की यात्रा पर निकलेंगे। वह विकासशील इंसान पार्टी के राष्ट्रीय सचिव भी रह चुके हैं। उन्होंने पहले भी VIP से बागी होकर महराजगंज से विधानसभा का चुनाव लड़ा था। अब अपने संगठन के माध्यम से नौजवानों की आवाज बनकर सड़कों पर उतरेंगे। इस दौरान संगठन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को लेकर अहम निर्णय लिए गए। बैठक में संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चार अलग-अलग प्रकोष्ठों का गठन किया गया, ताकि युवाओं से जुड़े मुद्दों पर व्यवस्थित और सशक्त तरीके से काम किया जा सके। राष्ट्रीय नीतीश द्विवेदी ने कहा कि संगठन का मुख्य लक्ष्य प्रदेश के नौजवानों की समस्याओं को सामने लाना तथा उनके समाधान के लिए ठोस पहल करना है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव के दौरान जब मैं यात्रा कर रहा था तो उस वक्त मैं करीब एक लाख लोगों से डायरेक्ट मिला, जहां मुझे युवाओं की जमीनी हकीकत जानने को मिली।

बिहार के 38 जिलों में 19 महीने की यात्रा पर निकलेंगे, कहा- युवाओं से सीधा संवाद करेंगे

कटिहार के कुर्सेला में सिलेंडर फटने से भीषण आगः 500 से अधिक दुकानें जलकर खाक

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहार : जिले के कुर्सेला प्रखंड स्थित हटिया बाजार से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। रविवार देर रात एक भीषण अग्निकांड में 500 से अधिक दुकानें जलकर राख हो गईं, जिससे व्यापारियों को करीब 10 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है। यह घटना रविवार देर रात की है, जब कुर्सेला प्रखंड के हटिया बाजार में एक होटल में सिलेंडर फट गया। सिलेंडर ब्लास्ट होते ही आग तेजी से फैली और देखते ही देखते इसने विकराल रूप ले लिया। कपड़े, मसाले,किराना सहित छोटी-बड़ी सैकड़ों दुकानें इस आग की चपेट में आ गईं, यहां तक कि दुकानों के आगे लगी रेहड़ी पर की दुकानें भी नहीं बच सकीं। पूरा इलाका धुएं और आग की लपटों से घिर गया। स्थानीय लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बिना बाल्टी और पाइप से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि उस पर काबू पाना संभव नहीं हो सका। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर नहीं पहुंच पाई। बताया जा रहा है कि घटना के करीब एक घंटे बाद छोटी दमकल की गाड़ी पहुंची,लेकिन वह घटनास्थल के संकरे रास्तों के कारण अंदर तक नहीं जा पा रही थी,जिससे आग पर देर रात तक काबू नहीं पाया जा सका। हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है,जो एक राहत की बात है। इस दर्दनाक घटना की सूचना मिलते ही जदयू विधायक विजय सिंह निषाद मौके पर पहुंचे। उन्होंने कटिहार के डीएम आशुतोष द्विवेदी से फोन पर बात की और आग पर काबू पाने के साथ-साथ प्रभावित व्यापारियों को हर संभव मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए। व्यापारियों का अनुमान है कि इस आग में उनके लाखों रुपये का सामान,फर्नीचर और अन्य सामग्री पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। हालांकि नुकसान का सटीक आकलन अभी तक नहीं हो पाया है, लेकिन अनुमान है कि यह क्षति काफी बड़ी है। यह घटना स्थानीय व्यापारियों के लिए एक बड़ी त्रासदी है,जिससे उन्हें उबरने में लंबा समय लग सकता है।

करनाल इंटरनेशनल स्कूल ने JEE Main 2026 (Session 1) में हासिल की ऐतिहासिक सफलता

लोकतंत्र की शान , पटना

6 विद्यार्थियों ने 99 और उससे अधिक पर्सेंटाइल प्राप्त किए

Karnal International School ने JEE Main 2026 (Session 1) में अपने शानदार प्रदर्शन से एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। यह परीक्षा जनवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित की गई थी और इसके परिणाम 16 फरवरी की रात घोषित किए गए। JEE Main में अपने पहले ही वर्ष की भागीदारी में विद्यालय ने असाधारण परिणाम देकर संस्था का नाम गौरवान्वित किया है। इस सफलता की अगुवाई करते हुए शिवांशु कुमार ने 99.79 पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। युव बंसल ने 99.47 पर्सेंटाइल, हृतिक राज ने 99.39 पर्सेंटाइल, विराट राज ने 99.24 पर्सेंटाइल प्राप्त किए, जबकि प्रसंजित और दिव्यम लूथरा ने 99 पर्सेंटाइल हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस प्रकार कुल 6 विद्यार्थियों ने 99 और उससे अधिक पर्सेंटाइल प्राप्त कर शैक्षणिक उत्कृष्टता का नया कीर्तिमान स्थापित किया।

इन शानदार उपलब्धियों के अतिरिक्त 15 विद्यार्थियों ने 95 पर्सेंटाइल से अधिक तथा 22 विद्यार्थियों ने 90 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए, जिससे विद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा और सुदृढ़ हुई। यह ऐतिहासिक सफलता विद्यालय की मजबूत शैक्षणिक नींव, अनुशासित अध्ययन वातावरण तथा समर्पित शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और संस्थान के दूरदर्शी नेतृत्व व सुव्यवस्थित शैक्षणिक योजना को भी दर्शाती है।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के चेयरमैन कर्नल अरुण दत्ता ने विद्यार्थियों को लड्डू खिलाकर और आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों की अथक मेहनत की सराहना करते हुए शिक्षकों की समर्पित भूमिका की भी प्रशंसा की। जितेंद्र अहलावत, प्रबंध निदेशक, जेनिसिस क्लासेस, ने विद्यार्थियों को पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनके दृढ़ निश्चय व एकाग्र प्रयासों की सराहना की। विद्यालय के निदेशक प्रकाश जोशी तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

पूरे विद्यालय परिसर में हर्ष और उत्साह का वातावरण रहा। विद्यार्थियों ने ढोल की थाप पर उत्साहपूर्वक नृत्य किया और सभी विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों में मिठाइयाँ वितरित की गईं, जिससे यह अवसर पूरे विद्यालय परिवार के लिए अविस्मरणीय बन गया। यह अद्वितीय सफलता करनाल इंटरनेशनल स्कूल के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता के एक नए युग की शुरुआत है। अपने पहले ही वर्ष में इतनी प्रेरणादायक उपलब्धि के साथ विद्यालय भविष्य में और भी बड़े कीर्तिमान स्थापित करने के लिए पूर्णतः आशावान और प्रतिबद्ध है।

पटना के बोरिंग रोड में 7 राउंड फायरिंग

कार से आए थे बदमाश, एक को गोली लगने की सूचना मौके से 7 खोखे बरामद

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के बोरिंग रोड में सोमवार की रात फायरिंग हुई थी। बदमाशों ने करीब 7 राउंड गोलियां चलाईं। घटनास्थल से 7.65 MM का कारतूस, 7 खोखे पुलिस ने बरामद किए हैं। बुद्धा कॉलोनी के थानेदार पल्लव ने बताया कि पुलिस ने अपने बयान पर 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस रजिस्टर्ड किया है। सभी आरोपी सफेद कलर की कार से थे। घटना को अंजाम देने के बाद चौराहा होते हुए फरार हो गए। सूचना मिली है कि एक शख्स को गोली लगी है, लेकिन वो कौन है, ये अभी नहीं नहीं। फिलहाल छानबीन की जा रही है। घटना बुद्धा कॉलोनी थाना के गौतम होटल के पास की है।

गोलियों की आवाज सुनकर दुकानदार भागेः घटना के वक्त आसपास कुछ दुकानें ही खुली थी, लेकिन जैसे ही उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी, सभी अपनी-अपनी दुकानें बंद कर भागने लगे। वहीं, दूसरी तरफ सड़क से गुजरने वाले लोग भी हैरान हो गए। गोलीबारी क्यों हुई, किसने की इस बारे में पता लगाने में पुलिस की टीम जुटी है।

बिहार में बनेगा मेगा एआई सेंटर-आईआईटी पटना, रिसर्च पार्क

लोकतंत्र की शान , पटना

नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े AI Expo में बिहार ने तकनीकी क्षेत्र में अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं और निवेश प्रस्तावों के साथ उपस्थिति दर्ज कराई। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। कार्यक्रम में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य की AI-आधारित विकास रणनीति को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए बिहार को उभरते टेक हब के रूप में विकसित करने का रोडमैप साझा किया। AI Expo के दौरान बिहार पवेलियन निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर बिहार सरकार द्वारा कुल 468 करोड़ रुपये की परियोजनाओं और निवेश से संबंधित समझौता ज्ञापन (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए।

60 करोड़ से मेगा AI सेंटर ऑफ एक्सीलेंसः बिहार सरकार ने Bihar AI Mission के अंतर्गत 60 करोड़ रुपए की लागत से Mega AI Centre of Excellence की स्थापना की घोषणा की। यह केंद्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और उभरती तकनीकों पर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र होगा। इसका उद्देश्य राज्य में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना, स्थानीय युवाओं को अत्याधुनिक तकनीक में दक्ष बनाना और उद्योगों के साथ व्यावहारिक शोध को प्रोत्साहित करना है। साथ ही, AI Centre of Excellence के विकास के लिए अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग जगत के बीच इंडस्ट्री-एकेडमिक पार्टनरशिप के समझौते भी किए गए, जिससे तकनीक और बाजार की आवश्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो सके।

IIT पटना में 250 करोड़ का अत्याधुनिक रिसर्च पार्कः IIT Patna में 250 करोड़ रुपए की लागत से Research Park स्थापित करने की घोषणा की गई। यह रिसर्च पार्क उद्योगों और शोधकर्ताओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा, जहां नवाचार, प्रोटोटाइप विकास और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को गति मिलेगी। इस पहल से बिहार में उच्च स्तरीय तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ सहयोग की संभावनाएं मजबूत होंगी।

विकसित भारत की लक्ष्य में बिहार की भूमिका होगी निर्णायकः उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में बिहार की भूमिका निर्णायक होगी। राज्य सरकार उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए लगातार नई नीतियां बना रही है। बिहार में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ रही है और हम तकनीक आधारित विकास मॉडल को अपनाकर रोजगार और आर्थिक अवसरों का विस्तार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि AI, साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में बिहार आने वाले वर्षों में नई पहचान बनाएगा।

158 करोड़ के निवेश MoUs: AI, Cybersecurity और Digital Services के क्षेत्र में प्रमुख निवेशकों के साथ 158 करोड़ रुपए के अतिरिक्त MoUs पर हस्ताक्षर किए गए। इन निवेशों से राज्य में डेटा सेंटर, साइबर सुरक्षा समाधान, क्लाउड सेवाएं और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को नई गति मिलेगी। AI Expo के दौरान बिहार सरकार ने Bihar GCC Policy 2026 और Bihar Semiconductor Policy 2026 का औपचारिक अनावरण किया। बिहार में Global Capability Centers (GCCs) की स्थापना को प्रोत्साहन, सेमीकंडक्टर एवं चिप डिजाइन से जुड़े उद्योगों को आकर्षित करना है। डेटा, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सर्विस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देना है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि इन नीतियों के माध्यम से निवेशकों को विशेष प्रोत्साहन, बुनियादी ढांचा समर्थन और कौशल विकास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

बुधवार से शुरू होंगी यूपी बोर्ड परीक्षाएं, 53 लाख से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

लोकतंत्र की शान : लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च, 2026 तक आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष कुल 53,37,778 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं, जिनमें हाईस्कूल के 27,61,696 और इंटरमीडिएट के 25,76,082 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। परीक्षाओं को पूर्णतः नकलविहीन, पारदर्शी और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रदेश में कुल 8033 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जिनमें 596 राजकीय, 3453 अशासकीय सहायता प्राप्त और 3984 स्ववित्त पोषित विद्यालय शामिल हैं।

राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का शुभारंभ-माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने परीक्षा से पूर्व मंगलवार को शिविर निदेशक (माध्यमिक), लखनऊ शिविर कार्यालय में स्थापित राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप इस वर्ष परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाया गया है। 18 जनपदों को संवेदनशील घोषित किया गया है, जबकि 222 परीक्षा केन्द्रों को अति संवेदनशील और 683 को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इन केन्द्रों पर एसटीएफ और स्थानीय अभिसूचना इकाई को पूरी परीक्षा अवधि में सक्रिय रखा जाएगा तथा अति संवेदनशील केन्द्रों का दिन में दो बार निरीक्षण सुनिश्चित किया गया है।

हर कक्ष में सीसीटीवी और लाइव वेबकास्टिंग-परीक्षा की निगरानी के लिए प्रत्येक परीक्षा कक्ष में वॉयस रिकॉर्डरयुक्त दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके साथ राउटर, डीवीआर और हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सम्पूर्ण परीक्षा अवधि की लाइव मॉनिटरिंग वेबकास्टिंग के माध्यम से की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों पर बनाए गए स्ट्रांग रूम 24×7 सीसीटीवी निगरानी में रहेंगे। इसके अतिरिक्त सभी 75 जनपदों के प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के स्ट्रांग रूम, प्रश्नपत्र वितरण कक्ष और उत्तर पुस्तिका सीलिंग-पैकिंग कक्ष की भी ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी।

राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए 8033 केन्द्र व्यवस्थापक, 8033 बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक, 8033 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 1210 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 427 जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। साथ ही 69 मंडलीय और 440 जनपदीय सचल दल गठित किए गए हैं। शासन स्तर से सभी 75 जनपदों और 18 मंडलों के लिए राज्य स्तरीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति भी की गई है, ताकि परीक्षा संचालन में किसी प्रकार की शिथिलता न रहे।

लखनऊ से लेकर क्षेत्रीय कार्यालयों तक कंट्रोल सेंटर-परीक्षार्थियों और अभिभावकों की सहायता के लिए राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम, लखनऊ में टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 18001806607 एवं 18001806608 जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के टोल-फ्री नंबर 18001805310 एवं 18001805312 भी सक्रिय रहेंगे। ईमेल, फेसबुक, एक्स हैंडल और व्हाट्सएप के माध्यम से भी शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराए जा सकेंगे। प्रयागराज मुख्यालय के साथ-साथ वाराणसी, मेरठ, बरेली और गोरखपुर के क्षेत्रीय कार्यालयों में भी कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं।

राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते असमंजस में संचालक मंडल

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर: पूर्व में बहुउद्देशीय सहकारी समिति भदौरा को दो भागों में विभाजित किए जाने का प्रस्ताव विभागीय उच्च अधिकारियों द्वारा मांगा गया था। जिसे मंजूर करते हुए बहुउद्देशीय सहकारी समिति देहरा के नाम से समिति बन गई। लेकिन इसी बीच ग्राम कुंदरखी भूड़ के ग्राम प्रधान एवं अन्य कुछ ग्राम वासियों द्वारा कुंदरखी भूड़ के नाम से नई समिति बनाए जाने की मांग उठने लगी लेकिन बहुउद्देशीय सहकारी समिति भदौरा के संचालक मंडल की बैठक में तीसरे विभाजन किए जाने के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया गया। कहा गया कि देहरा के नाम से पहले ही दूसरी समिति बन चुकी है जिसके चलते क्षेत्र के दर्जनों गांव अलग होने से समिति द्वारा किया जाने वाला व्यवसाय भी कम होने से समिति की आय में कमी होने व समिति में कार्यरत पुराने स्टाफ का वेतन अधिक होने से समिति के घाटे में जाने की आशंका जताई गई। इसके बाद राजनीतिक हस्तक्षेप शुरू हो गया और तीसरी समिति बनाने के लिए दबाव बनाना शुरू कर दिया जिसके चलते सहकारिता विभाग के मंडलीय अधिकारी द्वारा संचालक मंडल को एक माह में तीसरी समिति बनाने की दिशा में कदम उठाए जाने अन्यथा संचालक मंडल को प्रभावहीन किए जाने की चेतावनी जारी कर स्वयं अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए संशोधन का कार्य करने की बात कही गई है। जिसे लेकर सभापति कृष्ण कुमार शर्मा व संचालक मंडल एक ओर कुआं और दूसरी ओर खाई जैसी स्थिति में आ गए हैं। क्योंकि तीसरी समिति बनाने का निर्णय लेने से जहां एक ओर जनमत का अनादर होगा वहीं समिति हित में भी नहीं होगा।

नारनौल में घोड़ी पर बैठाकर निकाला बेटी का बनवारा

लोक तंत्र की शान : नारनौल। जिले के गांव रामबास में बीती रात परिजनों ने अपनी बेटी की शादी से पूर्व उसको घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला। पिता द्वारा बेटी की शादी से पूर्व उसको लड़कों की तरह घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकालने की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह गांव राजस्थान की सीमा के साथ लगा हुआ है। जिसके चलते आसपास के गांवों में भी यह चर्चा का विषय बना हुआ है। लड़की के पिता महेंद्र सिंह राजपूत और उनकी पत्नी मधु ने बताया कि समाज में व्याप्त लड़का-लड़की के भेदभाव को नकारते हुए उन्होंने अपनी 21 वर्षीय बीए पास बेटी मोना का बनवारा घोड़ी पर बैठाकर निकालने का निर्णय लिया। जिसके चलते अपनी बेटी मोना को घोड़ी पर बैठाकर बनवारा परंपरागत तरीके से पूरे गांव में घुमाया। गांव की गलियों में जैसे ही बेटी घोड़ी पर सवार होकर निकली, लोग घरों से बाहर आ गए। परिवार की महिलाओं व पुरुषों ने जमकर डांस किया। बनवारे के दौरान लड़की घोड़ी पर बैठी खुश नजर आई तथा लड़की ने भी डांस कर खुशी का इजहार किया। परिवार में इसको लेकर बड़ा उत्साह बना हुआ है। लड़की के पिता महेंद्र सिंह ने बताया कि उनके लिए बेटा-बेटी में कोई अंतर नहीं है।

स्वर्गीय पुजारी के घर पहुंचे सांसद, श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों का बढ़ाया साहस

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कुसमी तहसील के मंदिर के पुजारी की नृशंस हत्या के बाद सीधी जिले के सांसद उनके घर पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित किए तो मृतक के परिजनों को संकट को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना ईश्वर से करते हुए ढांढ़स बंधाया है। बता दें की सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मंगलवार शाम मृतक पुजारी इंद्रभान द्विवेदी के परिवार से मिलने उनके निवास पहुंचे। सांसद राजेश मिश्रा ने परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में परिवार को ढांढस बंधाया। मंगलवार शाम करीब 4 बजे पहुंचे सांसद ने सबसे पहले दिवंगत पुजारी की आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। जहा उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर घटना पर शोक व्यक्त किया और कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और निंदनीय है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवार अकेला नहीं है, पूरा समाज और प्रशासन उनके साथ खड़ा है। इस दौरान सांसद के साथ जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, कुसमी मंडल अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, महामंत्री राजकुमार तिवारी, बैगा प्राधिकरण के जिला अध्यक्ष गौरीशंकर बैगा, इन्द्र प्रकाश छोटे सहित भारतीय जनता पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने मृतक के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना प्रकट की। परिजनों को ढाढस बंधाते हुए सांसद डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस जघन्य कृत्य में जो भी दोषी होगा, उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का अपराध करने वाला व्यक्ति क्षमायोग्य नहीं है और उसके विरुद्ध विधि सम्मत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सांसद ने यह भी आश्वस्त किया कि न्याय की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और गंभीरता के साथ आगे बढ़ेगी। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के आगमन से परिजनों को भावनात्मक संबल मिला। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। क्षेत्र के लोगों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन और कानून व्यवस्था के माध्यम से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में विश्वास कायम रहे।

निर्माण, निराला हरियाणा साहित्य रत्न सम्मान से होंगे अलंकृत

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट

करनाल : शिक्षा विभाग ,हरियाणा में द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी के रूप में कार्यरत हिंदी और हरियाणवी के कवि और लेखक कृष्ण कुमार निर्माण को आगामी 22 फरवरी को कलानौर (रोहतक) में पंजीकृत संस्था निराला साहित्यिक एवं कला मंच की ओर से हरियाणावी साहित्य में योगदान देने के लिए 'निराला हरियाणा साहित्य रत्न सम्मान' से नवाजा जाएगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा साहित्य अकादमी के निदेशक डॉक्टर धर्मदेव विद्यार्थी करेंगे तो वहीं मुख्य अतिथि गोरखपुर की धराधाम इंटरनेशल के प्रोफेसर डॉक्टर सौरभ पांडेय मुख्य अतिथि होंगे।इस कार्यक्रम में दिल्ली,उत्तरप्रदेश और पंजाब के कवियों/लेखको को उनके साहित्यिक अवदान के लिए विभिन्न अवार्डों से सम्मानित किया जाएगा। कृष्ण कुमार निर्माण को यह सम्मान उनके द्वारा हरियाणवी भाषा में लिखी गई ग़ज़ल संग्रह 'बखत-बखत की बात',हरियाणवी लघुकविता संग्रह 'बखत-बखत के बोल' और हरियाणवी कुंडली संग्रह 'मन कै जाल्लै' के साथ-साथ उनका हरियाणवी में चौथा लघुकविता संग्रह 'घणा बदलग्गा यार जमाना' के तहत अवदान के लिए दिया जाएगा।ज्ञात रहे कि कृष्ण कुमार निर्माण की अब तक कुल मिलाकर दस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।जिनमें से चार हरियाणवी और छह हिंदी भाषा की हैं।साथ ही इनके कई सांझा काव्य संग्रह भी हैं और हिंदी/हरियाणवी लघुकथा सांझा संग्रह भी है।कृष्ण कुमार निर्माण द्वारा लिखित आलेख/कविताएँ अक्सर देश भर की विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में निरंतर छपते रहते हैं।

प्रशासन की डेउढ़ी में पहुंचे डेढ़ सौ पीड़ित, कलेक्टर ने 25 शिकायतकर्ताओं का किया चयन दिया सुगम टोकन,मिलेगी समस्या से राहत

लोकतंत्र की शान

सीधी। शासन के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी ने जिलेभर से आए नागरिकों की कुल 120 समस्याएँ गंभीरतापूर्वक सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवेदनों पर त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए। जनसुनवाई में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आए गरीब एवं जरूरतमंद आवेदकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए जिला प्रशासन द्वारा "सुगम टोकन" व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू की गई। कलेक्टर की पहल पर बस संचालकों के सहयोग से पात्र हितग्राहियों को जनसुनवाई के बाद निःशुल्क घर वापसी की सुविधा प्रदान की जा रही है। आज की जनसुनवाई में 25 जरूरतमंद हितग्राहियों को "सुगम टोकन" प्रदान किए गए। यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर, दिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले आवेदकों को राहत देने के उद्देश्य से शुरू की गई है, ताकि उन्हें आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सम्मानपूर्वक अपनी समस्या दर्ज करा सकें। कलेक्टर श्री

सोमवंशी ने कहा कि जनसुनवाई शासन और आमजन के बीच सीधा संवाद का सशक्त माध्यम है। प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं जनपद सीईओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

विस्थापितों का हुजूम पहुंचा जिला प्रशासन के दरबार, सुनाई अपनी व्यथा

» 6गावो के किसान पहुंचे कलेक्ट्रेट किया प्रदर्शन सौंपा मांगों का पुलिंदा

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में मंगलवार को संजय टाइगर रिजर्व के बीच बसे छह गांवों के लगभग 400 ग्रामीणों ने सरपंचों के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट किया कि वे अपनी मातृभूमि छोड़कर नहीं जाएंगे और प्रशासन उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए। ये सभी गांव संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के भीतर स्थित हैं। ज्ञापन में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं का उल्लेख किया कि उनके पास पक्के मकान नहीं हैं, गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें नहीं हैं, बिजली की व्यवस्था नगण्य है और पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में भी स्थिति चिंताजनक है, जहां पांचवीं कक्षा के बाद बच्चों के लिए कोई स्कूल उपलब्ध नहीं है। प्रदर्शन में खैरी से धनंशाय बैगा, डेवा से हरिराम सिंह, खरबर से नानबाई बैगा, उमरिया से अंजू सिंह, चिंगवाह से गिरधारी लाल बैगा और दुबरी कला से रानी सिंह सहित अन्य सरपंच शामिल थे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगभग 50 हजार से अधिक आबादी वाले इस आदिवासी बहुल क्षेत्र की लगातार उपेक्षा की जा रही है। ग्राम डेवा के सरपंच हरिराम बैगा ने कहा कि उनके आसपास के जंगल ही उनका घर हैं। उन्होंने सरकार पर जानवरों के संरक्षण के नाम पर उन्हें विस्थापित करने का आरोप लगाया। दुबरी कला की सरपंच रानी बैगा ने बताया कि रास्ते न होने के कारण सामाजिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है, जिससे इस क्षेत्र में शादियां तक नहीं हो पाती हैं। इस मामले पर सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि यह क्षेत्र विस्थापन प्रक्रिया के अंतर्गत आता है और वन्यजीवों के खतरे को देखते हुए ग्रामीणों से जंगल से दूर सुरक्षित स्थानों पर बसने की अपील की जाती है।

चुरहट वन परिक्षेत्र में दो खूंखार हाथियों का मूवमेंट

» जंगल की तरफ वापस भेजने जुटी वन विभाग की टीम

» किसानों की फसलों को पहुंचाया जा रहा नुकसान

लोकतंत्र की शान

सीधी। बांधवगढ़ से शहडोल होते हुए सीधी जिले की चुरहट वन परिक्षेत्र अंतर्गत बघवार सर्किल के अमिलई में दो खूंखार हाथियों की आवक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। हाथियों के आने की सूचना मिलते ही वन विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है, वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को एलर्ट करने के लिए एलाउंस कर जागरूक किया जा रहा है। उल्लेखनीय हैं कि जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र के बघवार अंचल में जंगली हाथियों की मौजूदगी से दहशत का माहौल है। वन विभाग के अनुसार, दो हाथी इस इलाके में घूम रहे हैं, जो खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सोमवार रात 8 बजे ग्राम बरदैला में हाथियों के देखे जाने की पुष्टि हुई है। हाथियों की सूचना मिलते ही वन विभाग की 13 सदस्यीय टीम सक्रिय हो गई है। चुरहट रेंज के रेंजर नवीन सिंह खुद इस सर्चिंग ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं। टीम का मुख्य उद्देश्य हाथियों को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित तरीके से वापस जंगल की ओर मोड़ना है। विभाग की टीम स्थानीय वनकर्मियों के साथ मिलकर लगातार हाथियों की लोकेशन ट्रैक कर रही है।

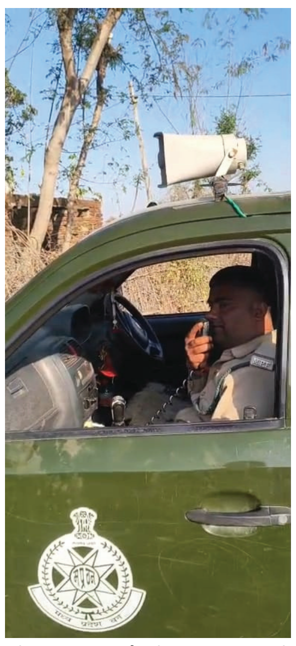

ग्रामीणों से सावधानी की अपील

वन परिक्षेत्र अधिकारी चुरहट नवीन सिंह बघेल ने हाथियों के आने की जानकारी मिलते ही उनके मूवमेंट वाले क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय लोगों एवं किसानों को एलर्ट करते हुए अपील की है कि ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा है। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि हाथी बहुत तेज गति से चलते हैं, इसलिए कोई भी उनके पास जाने या उन्हें उकसाने की कोशिश न करे। रात में जरूरी न हो तो घर से बाहर न निकले और आवश्यक होने पर अकेले घर से न निकले,हाथियों के मूवमेंट को लेकर फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान न दें। सूचना मिलने पर तुरंत वन विभाग को सूचित करें। वर्तमान में इनका मूवमेंट चंद्रेह, अमिलहा गांव में देखा गया है।

इन गांवों में अलर्ट जारी

एहतियात के तौर पर बघवार सर्किल के साथ-साथ समीपवर्ती गांव चंद्रेह, अमिलहा, घुंघुटा, खैरी, वेलकसरी और बरसजिहा के निवासियों को भी विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। वन विभाग की टीम वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में इन इलाकों में लगातार गश्त कर रही है। बता दें कि सीधी जिले में संजय टाइगर रिजर्व होने के चलते टाइगर रिजर्व क्षेत्र में हाथियों के आने की खबर आए दिन सुर्खियों में रहती है, इस क्षेत्र में हाथियों के उत्पाद की सूचना भी मिलती रहती थीं लेकिन रामपुर नैकिन क्षेत्र में हाथियों के आने की सूचना से सभी भयभीत हैं।

पूतना वध प्रसंग से गूंजा कथा पंडाल, श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

कथा वाचक कृष्णदेवाचार्य के मुखारविंद से हो रही भक्ति रस की वर्षा

लोकतंत्र की शान

सीधी। ग्राम करगिल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। कथा व्यास पीठ से कथावाचक कृष्णदेवाचार्य ने पूतना वध प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। कथावाचक ने बताया कि कंस के आदेश पर राक्षसी पूतना ने गोकुल पहुंचकर नवजात शिशुओं का वध करने का प्रयास किया। वह सुंदर स्त्री का रूप धारण कर नंद भवन में पहुंची और बालक श्रीकृष्ण को विषपान कराने का प्रयास किया, किंतु सर्वशक्तिमान भगवान ने उसका विष ही नहीं, बल्कि उसके प्राण भी हर लिए। अंततः पूतना को भगवान के स्पर्श से मोक्ष प्राप्त हुआ। उन्होंने समझाया कि पूतना वध प्रसंग यह संदेश देता है कि भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं और दुष्ट प्रवृत्तियों का अंत निश्चित है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव में डूबे नजर आए और पंडाल 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर मुख्य श्रोता के रूप में शत्रुघ्न सिंह सहित ग्राम करगिल और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के समापन पर आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन समिति ने बताया कि कथा के आगामी दिनों में श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया जाएगा, जिसके लिए श्रद्धालुओं में उत्साह बना हुआ है।

जनता की आवाज बनी जनसुनवाई, महापौर के निर्देश पर कई मामलों का हुआ तत्काल समाधान

» नागरिक समस्याओं के समाधान की दिशा में प्रभावी पहल बनी महापौर जनसुनवाई

» पूर्व जनसुनवाइयों के लंबित प्रकरणों की हुई समीक्षा, त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। नगर निगम द्वारा नागरिक समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं बेहतर प्रशासनिक संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से मंगलवार को मेयर इन काउंसिल कक्ष में महापौर जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में शहर के विभिन्न वार्डों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएँ लेकर उपस्थित हुए। जनसुनवाई के दौरान महापौर का सक्रिय एवं संवेदनशील रुख देखने को मिला, जहाँ उन्होंने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। कई मामलों में मौके पर ही समाधान होने से नागरिकों के चेहरे पर संतोष नजर आया। महापौर ने स्पष्ट किया कि नगर निगम का लक्ष्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि हर नागरिक को समय पर समाधान उपलब्ध कराना है, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। इस दौरान सड़क सुधार, सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, अतिक्रमण, खाद्य पर्ची, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र तथा नाली-नालों से जुड़ी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। महापौर ने प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए।

अधिकांश हत्याएं जमीन सौदों से जुड़ी हैं। हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र रावत का कहना है कि पुलिस को जमीन संबंधी मामलों से दूर रहना चाहिए

लोकतंत्र की शान

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और अब हरिद्वार से सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उत्तराखंड के देहरादून में बढ़ती हत्याओं का मुख्य कारण जमीन के सौदे हैं, चाहे वे वैध हों या अवैध, और पुलिस को जमीन के सौदों/विवादों से संबंधित मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। रावत ने जोर देकर कहा कि चूंकि जमीन से जुड़े मामले राज्य के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, इसलिए मुझे लगता है कि जमीन से जुड़े मामलों और विवादों में पुलिस का हस्तक्षेप बहुत बढ़ गया है, जो सही नहीं है। मेरी राय में जमीन से जुड़े मामलों में पुलिस का हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं होना चाहिए। पुलिस जितना ज्यादा हस्तक्षेप करेगी, यह समस्या उतनी ही बहुआयामी होती जाएगी और बढ़ती जाएगी। यह सिलसिला चलता रहेगा। अगर देहरादून में जमीन के सौदों और घोटालों से जुड़ी हत्याओं पर लगाम नहीं लगाई गई तो स्थिति बेकाबू हो सकती है। उन्होंने

कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और डीजीपी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुलिस बढ़ते जमीन विवादों और झगड़ों में हस्तक्षेप न करे, क्योंकि ये इन जानलेवा हत्याओं का कारण बनते हैं और इन हत्या की प्रवृत्तियों को रोकने के लिए तत्काल सख्त कदम उठाने की जरूरत है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र रावत उत्तराखंड, विशेषकर राजधानी देहरादून में बढ़ती मानव हत्याओं पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार लोकसभा सांसद त्रिवेंद्र रावत ने इससे पहले संसद में भी भाषण दिया था, जिसमें उन्होंने पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि उत्तराखंड में खनन माफिया ने आतंक मचा रखा है, जिससे उत्तराखंड के मीडिया जगत में काफी हलचल मच गई थी। गौरतलब है कि उत्तराखंड में पिछले अठारह दिनों में सात हत्याएं हुई हैं, जिनमें एक गैंगस्टर की गोली मारकर हत्या, चार लड़कियों की हत्या और एक पूर्व कर्नल के बेटे की हत्या शामिल है। हल्द्वानी में हुई दो हत्याओं, जिनमें लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे लड़के-लड़की की बेरहमी से सिर फोड़कर हत्या कर दी गई, ने पूरे उत्तराखंड में दहशत फैला दी है और यह स्पष्ट संकेत दिया है कि हिमालयी राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। इसके परिणामस्वरूप एसएसपी और निचले स्तर के पुलिस अधिकारियों का बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। इन हत्याओं से पहले, चीनी दिखने वाले एक लड़के की भी दिनदहाड़े नस्लीय टिप्पणी करने के कारण हत्या कर दी गई थी। देहरादून और उत्तराखंड में ज़मीन सौदों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और घोटालों की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई लोगों ने आत्महत्या की है और गोली लगने से उनकी मौत हुई है। अपराधी अवैध रूप से ज़मीनों पर कब्ज़ा करके और बड़े पैमाने पर भूमि माफियाओं द्वारा अवैध रूप से ज़मीनों पर कब्ज़ा करके अपना मुनाफा बढ़ा रहे हैं। हाल ही में दो भाड़े के अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या किए गए गैंगस्टर विक्रम शर्मा के मामले में, मृतक पर कथित तौर पर हत्या के तीस मामले और अन्य गंभीर प्रकृति के पचास मामले दर्ज थे। वह 2010 से उत्तराखंड में रह रहा था। विजय बहुगुणा के मुख्यमंत्री रहते हुए उसे क्रशर की मंजूरी दी गई थी और 2024 तक उसकी पिछली जांच नहीं की गई थी। यह चौंकाने वाला है और इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि अपराधियों को मौजूदा और पूर्व सत्ताधारी राजनीतिक व्यवस्था द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वायु प्रदूषण बढ़ने से काठमांडू इस समय वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे प्रदूषित शहर

काठमांडू। काठमांडू में वायु प्रदूषण में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। काठमांडू इस समय वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे प्रदूषित शहर है। भारत की दिल्ली 229 एक्यूआई के साथ पहले स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान का लाहौर 203 एक्यूआई के साथ दूसरे स्थान पर है। काठमांडू में मंगलवार दोपहर तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 191 पहुंच गया, जो सोमवार को 178 था। यह स्तर सभी के लिए अस्वस्थ श्रेणी में आता है, जिससे विशेष रूप से बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों तथा श्वसन या हृदय संबंधी रोगों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य जोखिम बढ़ गए हैं। एक्यूआई मानकों के अनुसार 0–50 अच्छा (हरा), 51–100 सतर्कता आवश्यक (पीला), 101–150 संवेदनशील समूहों के लिए अस्वस्थ, 151–200 सभी के लिए अस्वस्थ, 201–300 अत्यंत अस्वस्थ और 300 से ऊपर खतरनाक माना जाता है। पर्यावरण विभाग के महानिदेशक ज्ञानराज सुवेदी ने चेतावनी दी कि यदि आने वाले दिनों में वर्षा नहीं हुई तो प्रदूषण और बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि बारिश हवा में मौजूद धूल और कणों को बैठाने में मदद करती है, इसलिए लंबे समय तक शुष्क मौसम रहने से प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है। सुवेदी ने संबंधित निकायों को टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने की सलाह भी दी। उन्होंने वाहनों की तेज़ वृद्धि, डीज़ल और पेट्रोल से निकलने वाला धुआं, सड़क व अवसंरचना परियोजनाओं से उठने वाली धूल, वनाग्नि तथा लंबे समय तक शुष्क मौसम को वायु प्रदूषण बढ़ने के प्रमुख कारण बताया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय पर कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और जटिल हो सकती है। काठमांडू वायु गुणवत्ता प्रबंधन कार्ययोजना–2076 के तहत नेपाल सरकार एक्यूआई 300 से अधिक होने पर इसे आपदा की स्थिति मानती है। इसके अंतर्गत खुले में कचरा जलाने पर रोक, झाड़ू और वैक्यूम क्लीनर जैसी सड़क सफाई मशीनों के उपयोग में वृद्धि तथा बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और रोगियों के लिए सार्वजनिक चेतावनी जारी करने जैसे उपाय शामिल हैं।

दावा- नाबालिग आरोपी की बहन रील बना रही थी

नई दिल्ली। दिल्ली में 3 फरवरी को एक स्कॉर्पियो की टक्कर से 23 साल के साहिल धनेशरा की मौत हो गई। अब साहिल की मां इन्ना माकन ने हादसे से ठीक पहले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उनका दावा है कि यह वीडियो कार के अंदर से रिकॉर्ड किया था। यह वीडियो ड्राइविंग सीट के बगल में बैठी नाबालिग आरोपी की बहन रील बनाने के मकसद से रिकॉर्ड कर रही थी। वीडियो में दिखा कि नाबालिग आरोपी बिना डिवाइडर वाली सड़क पर बाईं तरफ गाड़ी चला रहा था। सामने से एक बस आ रही थी। कार बस से बाल-बाल बचती है और

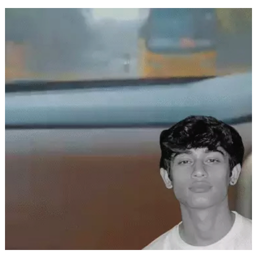

फिर अचानक साहिल की बाइक से सीधी टक्कर हो जाती है। वीडियो में यह भी दिखा कि साहिल अपनी बाइक से बस को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। साहिल की मां ने दावा किया है कि वीडियो का वह हिस्सा काट दिया गया है, जिसमें हादसा होते दिखा था। यह हादसा द्वारका के लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के पास 3 फरवरी की सुबह 11:57 बजे हुआ। बाइक से टक्कर के बाद स्कॉर्पियो ने एक टैक्सी को भी टक्कर मारी। पुलिस ने मौके पर पहुंचने पर देखा कि एक स्कॉर्पियो, एक स्विफ्ट डिजायर टैक्सी और साहिल की बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। साहिल का शव सड़क किनारे पड़ा था।

महाशिवरात्रि पर भारत से पशुपतिनाथ मंदिर आए साधु संन्यासियों की हुई विदाई

काठमांडू। महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे नागा बाबा और अन्य साधुओं की मंगलवार को भेंट और दान देकर विदाई की गई है। गुठी संस्थान ने विदाई कार्यक्रम के लिए लगभग 30 लाख नेपाली रुपये का बजट आवंटित किया है। साधु महाशिवरात्रि के लिए फाल्गुन कृष्ण एकादशी के दिन पशुपतिनाथ पहुंचे थे। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्रीधर सापकोटा ने बताया कि नेपाल के बाहर से आए 4,000 से अधिक अलग-अलग संप्रदायों के साधुओं को पशुपति क्षेत्र के विभिन्न स्थानों जैसे गोरखनाथ मठ, आर्यघाट के पार रामचंद्र मंदिर, भस्मेश्वर अखाड़ा और निर्मला अखाड़ा में ठहराया गया था। साधुओं के आगमन पर उन्हें लाल, नीले, सफेद, पीले और हरे रंग के कार्ड वितरित किए गए थे और उन्हीं कार्डों की श्रेणी के आधार पर दान दिया जा रहा है। संस्थान के अनुसार नेपाल से बाहर से आए साधुओं को नजदीकी सीमा तक यात्रा में सहायता के लिए दान राशि बढ़ाई गई है। गुठी संस्थान के पूर्व उप-प्रशासक दीपक बहादुर पाण्डे के अनुसार फाल्गुन कृष्ण औंसी के दिन साधुओं को औपचारिक रूप से विदा करने की परंपरा सन् 1775 से चली आ रही है, जब जंग बहादुर के ज्येष्ठ पुत्र जगत जंग ने जगन्नाथ प्रकाशेश्वर गुठी की स्थापना की थी। इस परंपरा का निर्वहन गुठी संस्थान और पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट की ओर से अब भी किया जाता है। पहले नागा बाबा और अन्य साधुओं को थापाथली के कलमोचन घाट से भोजन कराकर विदा किया जाता था, क्योंकि मान्यता थी कि कोट हत्याकांड में मारे गए लोगों का दाह-संस्कार जिस स्थल पर हुआ, वहां से साधुओं की विदाई करने से दिवंगत आत्माओं को शांति मिलती है। अब यह परंपरा बंद कर दी गई है और वर्तमान में साधुओं को पशुपतिनाथ के पश्चिमी मुख्य द्वार से विदा किया जा रहा है। दीपक बहादुर पाण्डे के अनुसार महाशिवरात्रि के लिए मंदिर परिसर के भीतर पांच दिन और बाहर चार दिन तक धूनी जलाए रखने के लिए 50 हजार किलोग्राम लकड़ी खरीदी गई, जिसकी लागत 7 लाख रुपये रही। पाण्डे के अनुसार कलमोचन घाट स्थित बैरागी, उदासी, संन्यासी और नाथ अखाड़ों में ठहरे नागा बाबा और साधुओं को भी आज दान देकर विदाई दी जा रही है। ट्रस्ट की कार्यकारी सदस्य शीला पंत ने बताया कि श्रेणी के अनुसार 101 से 5,001 नेपाली रुपये तक दान वितरित करने की तैयारी की गई है। इसके लिए ट्रस्ट ने 8 लाख रुपये आवंटित किए हैं। साधुओं को वर्ष भर मंदिर में अर्पित की गई रुद्राक्ष मालाएं भी प्रदान की जाएंगी।

अजित पवार प्लेन क्रैश की जांच में एएआईबी जुटी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार के प्लेन क्रैश की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (AAIB) को सौंपी गई है। मंगलवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय (DGCA) ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा- 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में Learjet-45 (VT-SSK) विमान क्रैश की जांच AAIB कर रहा है। जो दुर्घटना और घटना जांच नियम, 2017 और ICAO Annex-13 के इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के तहत की जा रही है। DGCA ने बताया प्लेन में दो फ्लाइट रिकॉर्डर लगे थे, जो हादसे के दौरान लंबे समय तक आग और अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहे। डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (DFDR) से सफलतापूर्वक डेटा डाउनलोड कर लिया गया है। 2 फरवरी को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक और अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने आरोप लगाया था कि उनके चाचा की मौत में साजिश हुई है। मामले की एक्सपर्ट एजेंसियां जांच करें। मंत्रालय ने कहा कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR) की तकनीकी जांच अभी जारी है। डेटा निकालने में मदद के लिए उस देश के विशेषज्ञों की भी सहायता ली जा रही है, जहां यह उपकरण बनाया गया था। वहीं, AAIB ने कहा कि जांच पूरी तरह तकनीकी और प्रक्रियागत नियमों के अनुसार की जा रही है, ताकि निष्पक्ष और सबूत आधारित निष्कर्ष निकाला जा सके। ब्यूरो ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक सभी लोग अटकलों से बचे रहें। जांच की डिटेल जल्द ही शेयर की जाएगी।

ट्रम्प बोले- ईरान के साथ बातचीत में इनडायरेक्टली शामिल रहूंगा

पिछले साल परमाणु ठिकानों पर बमबारी से इन्हें अक्ल आई, आज स्विट्जरलैंड में बैठक

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत में इनडायरेक्ट रूप से शामिल रहेंगे। उन्होंने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बात कही। यह बयान ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम को लेकर दूसरे दौर की बातचीत से पहले आया है। अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत आज (17 फरवरी 2026) जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में हो रही है। इससे पहले ओमान में 6 फरवरी को पहली बैठक हुई थी।

ट्रम्प ने कहा, 'मैं उन बातचीत पर नजर रहूंगा।' उन्होंने संकेत दिया कि ईरान इस बार समझौते को लेकर गंभीर है। डील की संभावना पर ट्रम्प ने कहा कि ईरान इसे लेकर सख्त रुख अपनाता रहा है, लेकिन पिछले साल अमेरिका की ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी से उसे अक्ल आई। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वे समझौता न करने के परिणाम भुगतना चाहेंगे।'

ईरान ने ऑपरेशनल क्षमताओं की जांच के लिए नौसैनिक अभ्यास शुरू किया: एसोसिएटेड प्रेस (AP) के मुताबिक, ईरान ने सोमवार को कुछ ही हफ्तों में दूसरी बार नौसैनिक अभ्यास शुरू किया। यह अभ्यास स्ट्रेट ऑफ हॉरमुज, पर्शियन गल्फ और गल्फ ऑफ ओमान में हो रहा है। इसका मकसद खुफिया और ऑपरेशनल क्षमताओं की जांच करना है। समुद्री सुरक्षा कंपनी ईओएस रिस्क ग्रुप ने कहा कि इस इलाके से गुजरने वाले जहाजों को रेडियो पर चेतावनी दी गई कि स्ट्रेट ऑफ हॉरमुज के उत्तरी मार्ग में मंगलवार को लाइव-फायर ड्रिल हो सकती है। हालांकि ईरानी सरकारी टीवी ने लाइव-फायर अभ्यास का जिक्र नहीं किया। जनवरी के अंत में हुए इसी तरह के अभ्यास के दौरान अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कड़ा बयान जारी किया था। उसने कहा था कि ईरान को अंतरराष्ट्रीय हवाई और समुद्री क्षेत्र में पेशेवर तरीके से काम करने का अधिकार है, लेकिन वह अमेरिकी वॉरशिप या ट्रेड जहाजों को परेशान न करें।

ईरान के उप विदेश मंत्री बोले- ट्रम्प प्रतिबंध हटाएं तो डील संभव: व्हाइट हाउस का कहना है कि वह ऐसा समझौता चाहता है, जिससे ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर सके। वहीं, रविवार को ईरान के उप विदेश मंत्री मजीद तख्त-रवांची ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते को लेकर बातचीत करने की इच्छा जताई है। उन्होंने BBC को दिए इंटरव्यू में कहा कि अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर बात करने को तैयार है, तो हम अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई मुद्दों पर समझौता करने के लिए तैयार है। वहीं अमेरिकी अधिकारी बार-बार कहते रहे हैं कि परमाणु वार्ता में प्रगति रुकने की वजह ईरान है, न कि अमेरिका।

5 देशों के 14 पूर्व-कप्तानों की पाकिस्तान सरकार को चिट्ठी

एजेंसी, इस्लामाबाद

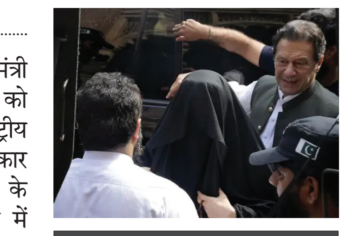

♦ इस चिट्ठी पर सुनील गावस्कर, कपिल देव, ग्रेग चैपल, बेलिंडा क्लार्क, माइकल एथरटन, नासिर हुसैन, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, माइकल ब्रियरली, डेविड गावर, किम ह्यूजेस, क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ और जॉन राइट ने साइन किए हैं

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की खराब सेहत को लेकर 5 देशों के 14 पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों ने पाकिस्तान सरकार को चिट्ठी लिखी है। 73 साल के इमरान अगस्त 2023 से जेल में हैं. इस चिट्ठी पर सुनील गावस्कर, कपिल देव, ग्रेग चैपल, बेलिंडा क्लार्क, माइकल एथरटन, नासिर हुसैन, इयान चैपल, एलन बॉर्डर, माइकल ब्रियरली, डेविड गावर, किम ह्यूजेस, क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ और जॉन राइट ने साइन किए हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 14 दिग्गज कप्तानों ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ से इमरान को उचित इलाज दिए जाने की अपील की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस चिट्ठी पर किसी भी पूर्व पाकिस्तानी कप्तान ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। हालांकि पिछले हफ्ते वसीम अकरम, वकार यूनिस और शाहिद अफरीदी समेत कई पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर इमरान के लिए उचित इलाज की मांग की थी। इमरान खान 1992 में वर्ल्ड कप जीतने वाली पाकिस्तानी टीम के कप्तान थे। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान की एक आंख की करीब 85% रोशनी चली गई है। यह खुलासा पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त वकील सलमान सफदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि इमरान खान जेल प्रशासन से कई महीनों आंखों में धुंधलापन होने की शिकायत कर रहे थे। अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी, लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक कम हो गई।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस रद्द

एजेंसी, बेंगलुरु

♦ कर्नाटक चुनाव में 40% कमीशन वाले विज्ञापन का मामला, हाईकोर्ट ने भाजपा नेता की याचिका खारिज की

कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस को रद्द कर दिया। यह मामला 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले '40% कमीशन' वाले कांग्रेस के विज्ञापनों को लेकर भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। 'करप्शन रेट कार्ड' वाले इस विज्ञापन को राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसके बाद भाजपा नेता केशव प्रसाद ने राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान विज्ञापनों में तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं पर सरकारी ठेकों से 40% कमीशन लेने का झूठा आरोप लगाया। मामले में कर्नाटक की अदालत ने 23 फरवरी 2024 को सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार और राहुल गांधी को समन जारी किया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 1 जून 2024 को सिद्धारमैया, शिवकुमार को और 7 जून 2024 को राहुल को जमानत दे दी थी। हालांकि राहुल गांधी ने समन को हाईकोर्ट में भी चुनौती दी थी। हाईकोर्ट के जस्टिस सुनील दत्त यादव की सिंगल बेंच ने आदेश पारित करते हुए कहा कि राहुल गांधी की याचिका मंजूर की जाती है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले की कार्यवाही आगे बढ़ाना कानून की प्रक्रिया का गलत इस्तेमाल होगा।

तारिक रहमान बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री बने

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में BNP अध्यक्ष तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने संसद भवन में तारिक को पीएम पद की शपथ दिलाई। इसके साथ ही 18 महीने से चल रही अंतरिम सरकार का कार्यकाल खत्म हो गया। तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बने हैं। इससे पहले आज दोपहर में BNP के सांसदों ने उन्हें संसदीय दल का नेता चुना था। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे हैं।

17 साल तक लंदन में रहने के बाद वह दो महीने पहले ही बांग्लादेश लौटे थे। अगले पांच साल तक तारिक प्रधानमंत्री पद संभालेंगे। रहमान के अलावा 25 कैबिनेट मंत्रियों और 24 राज्य मंत्रियों को भी पद की शपथ दिलाई है। इनमें एक हिंदू मंत्री भी शामिल है। 25 कैबिनेट मंत्रियों में से 17 नए चेहरे हैं। राज्य मंत्रियों में से 24 नए हैं। रहमान भी पहली बार मंत्रिमंडल के सदस्य बन रहे हैं। पिछले गुरुवार को हुए आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने 299 में से 209 सीटें जीतकर हुमत के लिए जरूरी 150 के आंकड़े को पार कर लिया था। इसके अलावा 3 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियों ने

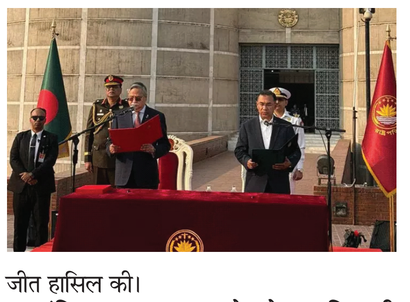

जीत हासिल की।

संविधान बदलाव को लेकर सियासी टकराव तेजः इस बीच संविधान में बदलाव को लेकर सियासी टकराव तेज हो गया है। दरअसल, 12 फरवरी संसद चुनाव के साथ 'जुलाई चार्टर' पर जनमत संग्रह भी हुआ था। इसमें 62% लोगों ने 'हां' में वोट दिया। जुलाई चार्टर के मुताबिक नई संसद 180 दिनों के लिए संविधान सभा की तरह काम करेगी। इस अवधि के दौरान संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं में बदलाव किए जाते। जुलाई चार्टर का मकसद देश में ताकत का एकाधिकार खत्म करना और संतुलन बनाना है। इससे प्रधानमंत्री की ताकत घटती और राष्ट्रपति को अधिकार दिए जाते। BNP ने जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन उसके नेता कई प्रावधानों पर आपत्ति जता रहे हैं। पार्टी का कहना है कि चार्टर तैयार करते समय उनसे सलाह नहीं ली गई थी।

BNP बोली- संविधान में ऐसी किसी परिषद का प्रावधान नहींः BNP के स्टैंडिंग कमिटी सदस्य और सांसद सलाहुद्दीन अहमद ने बताया कि पार्टी के कोई भी सांसद इस परिषद के सदस्य के रूप में शपथ नहीं लेंगे। वर्तमान संविधान में ऐसी किसी परिषद का कोई प्रावधान नहीं है और न ही कोई अलग शपथ का फॉर्मेट मौजूद है। उनका कहना है कि संसद सदस्य केवल संसद के लिए चुने गए हैं, संवैधानिक सुधार परिषद के लिए नहीं। इस परिषद को वैध बनाने के लिए पहले संविधान में संशोधन करके इसे शामिल करना होगा, फिर संसद में इसे अपनाना होगा और उसके बाद ही शपथ का कोई कानूनी आधार बनेगा। यह परिषद जुलाई चार्टर के तहत संवैधानिक सुधारों को लागू करने के लिए बनाई गई है। योजना थी कि नए संसद सदस्य के साथ-साथ इस परिषद के सदस्य भी बनें और दोनों के लिए शपथ लें, लेकिन BNP ने इसे असंवैधानिक बताते हुए केवल संसद सदस्य की शपथ ली है। जुलाई चार्टर के तहत PM के लिए जीवनभर कुल 10 साल (या अधिकतम दो टर्म) की सख्त टर्म लिमिट लगाई गई है, ताकि कोई लंबे समय तक सत्ता में न रह सके।

अमेरिका में हाई स्कूल हॉकी मैच के दौरान गोलीबारी 2 की मौत, शूटर ने खुद को भी गोली मारी

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका के रोड आइलैंड में सोमवार दोपहर हाई स्कूल हॉकी मैच के दौरान गोलीबारी हो गई। पुलिस के मुताबिक इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें हमलावर भी शामिल है। तीन अन्य लोग गंभीर हालत में हैं। घटना दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। पुलिस प्रमुख टीना गोंकाल्वेस ने इसे 'टारगेटेड इवेंट' बताया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा हो सकता है, हालांकि मकसद अब तक साफ नहीं है। पुलिस प्रमुख टीना गोंकाल्वेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों टीमें सीनियर नाइट मना रही थीं, तभी गोलीबारी शुरू हुई। मैदान में दो टीमें आमने-सामने थीं। इन टीमों में आसपास के कई स्कूलों के खिलाड़ी शामिल थे। मौके पर अफरातफरी मच गई। मेयर डोनाल्ड आर. ग्रेबिएन ने इसे बेहद डरावना अनुभव बताया। उन्होंने कहा, 'ये हाई स्कूल के बच्चे थे, परिवार उनके साथ मैच देख रहे थे। एक खुशी का माहौल अचानक डर और दहशत में बदल गया।'

गोलीबारी होते ही मैच छोड़ भागी टीमेंः मैच की लाइव स्ट्रीम में दिखा कि जैसे ही एक टीम डिफेंस से निकालने की कोशिश कर रही थी, तभी अचानक गोलियों की आवाज गूंजी। खिलाड़ी बेंच के पीछे छिपने लगे। रेफरी ने तुरंत सीटी बजाकर मैच रोका और बर्फ से बाहर चले गए। कुछ ही सेकंड में दोनों टीमें रिंग छोड़कर बोर्ड के ऊपर से कूदते हुए दूसरी तरफ के एग्जिट की ओर भागीं। पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा। सोमवार शाम तक एरिना के आसपास सड़कों पर पुलिस की गश्त जारी थी।

❒ पारिवारिक झगड़े के बाद हमला

स्कूलों ने कहा- सभी छात्र सुरक्षितः कोवेंट्री पब्लिक स्कूल डिस्ट्रिक्ट के सुपरिंटेंडेंट डॉन कोवार्ट ने बयान जारी कर कहा कि उनकी हॉकी टीम के सभी छात्र सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि कोवेंट्री पुलिस का एक अधिकारी छात्रों के साथ मौके पर मौजूद है। नॉर्थ स्मिथफील्ड हाई स्कूल के प्रिंसिपल डैन गेराग्टी ने भी बयान में कहा कि उनके सभी छात्र, खिलाड़ी और दर्शक सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, "यह खबर दिल तोड़ने वाली है। हमारा समुदाय इससे हिल गया है।" पुलिस प्रमुख ने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां स्कूलों के साथ मिलकर छात्रों को काउंसलिंग सेवा उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि इस घटना का असर बच्चों पर देर से भी सामने आ सकता है।

दो महीने पहले भी हुआ था हमलाः यह घटना ऐसे समय हुई है, जब करीब दो महीने पहले ही रोड आइलैंड ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुए हमले से दहला था। उस हमले में दो छात्रों की मौत हुई थी और नौ लोग घायल हुए थे।

जम्मू-जुवेनाइल सेंटर से 2 पाकिस्तानी समेत 3 नाबालिग फरार

एजेंसी, जम्मू

जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में जुवेनाइल ऑब्जर्वेशन सेंटर से सोमवार शाम 2 पाकिस्तानी नागरिक समेत 3 नाबालिग फरार हुए। इस मामले में आज 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड किए गए। मामले की जांच जारी है। नाबालिगों के सेंटर से फरार होने की घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई थी। 22 सेकेंड के वीडियों में नजर आ रहा है कि शाम करीब 5.15 बजे दो नाबालिग झगड़ा कर रहे हैं।

सेंटर के दो कर्मचारी पास ही खड़े उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं। तभी कैप पहना हुआ नाबालिग पीछे से आता है और कर्मचारी के सिर पर फायर कर देता है। फायर होते ही दोनों कर्मचारी पीछे हटते हैं। इसमें नाबालिग फिर से गन लोड करता है और दूसरा फायर करने की कोशिश करता है, लेकिन फायर नहीं होता। कैप पहना लड़का और सफेद जैकेट पहना लड़का कर्मचारियों पर हमला

कर देते हैं। इसके बाद तीन नाबालिग सेंटर से भाग निकलते हैं। वहीं, जुवेनाइल सेंटर से फरार नाबालिग में एक की मां भी लापता हैं। पुलिस के मुताबिक महिला की भी तलाश की जा रही है।

फायरिंग में 2 पुलिसकर्मी घायलः नाबालिग की फायरिंग में SPO विनय कुमार और हेड कांस्टेबल पर्वीन कुमार को घायल हुए हैं। उनका इलाज जारी है। नाबालिग के पास पिस्टल कैसे पहुंची, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। फरार कैदियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

हिमंता बोले- गोगोई का केस सबूत समेत केंद्र को भेजा

एजेंसी, गुवाहाटी/नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा है कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से जुड़े कथित पाकिस्तान लिंक के मामले की जांच अब केंद्र सरकार करेगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस मामले से जुड़े सभी सबूत केंद्र को सौंप दिए हैं और अब केंद्रीय एजेंसी इसकी जांच करेगी। मुख्यमंत्री सरमा ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई और उनकी पत्नी का पाकिस्तान से जुड़े कुछ लोगों से संबंध रहा है और यह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि गोगोई ने पाकिस्तान की यात्रा की और वहां के कुछ लोगों से संपर्क रखा। असम CM ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। आरोप लगाया था कि कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की

❒ दावा- कांग्रेस सांसद ने पाकिस्तान की यात्रा की, उनकी पत्नी ने भारत की जानकारी शेयर की

पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया।

एलिजाबेथ भारत से जुड़ी कई जानकारियां इकट्ठा करती थीं और पाकिस्तानी नागरिक अली शेख को रिपोर्ट देती थीं। अली तौकीर शेख एलिजाबेथ को इस काम के लिए सैलरी देता था। हिमंता ने यह भी दावा किया कि अली तौकीर 2010 से 2013 के बीच 13 बार भारत आया था।

असम विधानसभा चुनाव सिंगल फेज में हो सकता है, अप्रैल के पहले हफ्ते में वोटिंग संभव

एजेंसी, गुवाहाटी/नई दिल्ली

असम में अगले महीने के पहले हफ्ते यानी 4-8 मार्च के बीच विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो सकता है। अप्रैल के पहले हफ्ते में वोटिंग हो सकती है। सभी 126 सीटों के लिए एक या अधिकतम दो फेज में वोटिंग होने की संभावना है। मंगलवार को भाजपा, कांग्रेस सहित राज्य की छोटी-बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव आयोग के साथ बैठक में इसकी मांग रखी है। पार्टियों ने चुनाव की तारीख बिहू त्योहार के आसपास रखने की अपील की है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग वोटिंग कर सके।

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को समाप्त हो रहा है। राज्य में 10

साल से CM हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार है। पार्टी तीसरी बार जीत का दावा कर रही है। भाजपा ने इस बार 126 में से 100+ सीटें जीतने का टारगेट रखा है। पीएम मोदी 6 महीने में 4 बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस ने 10 पार्टियों के साथ गठबंधन किया है। इसमें वामपंथी और क्षेत्रीय दल शामिल हैं।

असम में तीन दिन के दौर पर है चुनाव आयोगः मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अगुवाई में चुनाव आयोग की टीम तीन दिवसीय असम दौरे पर है। उनके साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी गए हैं। आज राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठक में तीनों

♦ बीजेपी-कांग्रेस की चुनाव आयोग से अपील- तारीख बिहू के आसपास हो

चुनाव आयुक्त के साथ असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल भी शामिल रहे। राष्ट्रीय दलों में आम आदमी पार्टी, भाजपा, सीपीएम और कांग्रेस ने आयोग से मुलाकात की। वहीं, राज्य स्तरीय दलों में एआईयूडीएफ, असम गण परिषद, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ने आयोग से अलग-अलग बैठक की। मुख्य चुनाव आयुक्त राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी और अन्य सीनियर अधिकारियों के साथ भी बैठक करेंगे।

माता-पिता क़े परित्याग पर कठोर कानून- संवैधानिक संतुलन, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और भारत के लिए नीतिगत रोडमैप सर्वोच्च प्राथमिकता

लोकतंत्र की शान

» बदलती भारतीय संस्कृति, प्रवासी संतानों की जिम्मेदारी और बुज़ुर्ग माता-पिता का संरक्षण-सशक्त पांच समकालीन कानूनों की आवश्यकता

» भारत में बुज़ुर्ग माता-पिता क़ा परित्याग, उपेक्षा व अकेले छूटते जाना,यह केवल भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय,मानवाधिकार व केंद्र,राज्य क़े उत्तरदायित्व-व्यवस्था से जुड़ा विषय है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता की मूल आत्मा मातृदेवो भव,पितृदेवो भव के आदर्श में निहित रही है।भारतीय परिवार व्यवस्था केवल रक्त संबंधों का ढांचा नहीं,बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व,त्याग, सह- अस्तित्व और पीढ़ियों के परस्पर सम्मान पर आधारित एक सामाजिक अनुबंध है। किंतु 21वीं सदी के तीव्र वैश्वीकरण, शहरीकरण और प्रवासन के युग में यह पारंपरिक ताना-बाना तेज़ी से बदल रहा है। छोटे शहरों और गांवों से निकलकर युवा मेट्रो सिटीज़ और विदेशों में बस रहे हैं।आर्थिक प्रगति, करियर अवसर और वैश्विक एक्सपोज़र निश्चित रूप से सकारात्मक परिवर्तन हैं,परंतु इन उपलब्धियों की छाया में मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह महसूस कर रहा हूं कि एक गंभीर सामाजिक संकट भी उभर रहा है, भारत में अकेले छूटते जा रहे बुजुर्ग माता -पिता की उपेक्षा! यह केवल भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय,मानवाधिकार और राज्य की उत्तरदायित्व -व्यवस्था से जुड़ा विषय है।भारत से बाहर रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग साढ़े तीन करोड़ बताई जाती है। इनमें से बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जिनके माता-पिता भारत में ही रहते हैं। प्रारंभिक वर्षों में प्रवासी संतानें आर्थिक सहायता और नियमित संपर्क बनाए रखती हैं,परंतु समय बीतने के साथ पारिवारिक लगाव का क्षरण होने लगता है।अनेक मामलों में बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक,शारीरिक और भावनात्मक रूप से असुरक्षित स्थिति में रह जाते हैं। पिछले वर्ष ऐसे 500 से अधिक मामले सामने आए, जिनमें अकेले रह रहे माता- पिता की मृत्यु अत्यंत दुखद परिस्थितियों में हुई और संतान समय पर लौटकर भी नहीं आई। दिल्ली और इंदौर जैसे शहरों में सामने आई घटनाओं ने समाज को झकझोर दिया है।यह स्थिति केवल व्यक्तिगत नैतिक विफलता नहीं है; यह एक संरचनात्मक शून्य की ओर संकेत करती है। संयुक्त परिवार से एकल परिवार की ओर संक्रमण, बढ़ती जीवनशैली लागत,विदेशों में व्यावसायिक दबाव और सांस्कृतिकअनुकूलन के कारण संतानें अक्सर अपने मूल दायित्वों से दूर हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, माता-पिता सामाजिक अलगाव, आर्थिक निर्भरता और मानसिक अवसाद का सामना करते हैं।हाल ही में राज्यसभा के बजट सत्र में राधा मोहन अग्रवाल साहब ने यह मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया जो तारीफ़ ए काबिल है,उन्होंने प्रस्ताव रखा कि जो प्रवासी भारतीय अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, उनके पासपोर्ट रद्द किए जाएँ। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि विदेश जाने से पहले संतान से हलफनामा लिया जाए,जिसमें वे अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा माता-पिता को देने, उनके लिए केयरटेकर और बीमा की व्यवस्था करने तथा सप्ताह में कम से कम एक बार संपर्क बनाए रखने का वचन दें। छह माह में सर्टिफिकेट ऑफ फुलफिल्ड ऑब्लिगेशन जमा कराने की व्यवस्था भी प्रस्तावित की गई, जिसके आधार पर यह प्रमाणित हो कि संतान अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रही है।यह प्रस्ताव कठोर अवश्य है, परंतु इसके पीछे निहित भावनात्मक और नैतिक तर्क अत्यंत सशक्त है संतान की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग, तपस्या और कभी-कभी संपत्ति तक का बलिदान होता है। राज्य की सस्ती शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं का भी योगदान रहता है। ऐसे में यदि संतान अपनी जड़ों को भूल जाए, तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अनुबंध का उल्लंघन है। साथियों बात अगर हम वर्तमान कानूनी ढांचा और उसकीसीमाएँ इसको समझने की करें तोभारत सरकार ने वर्ष 2007 में मेंटेनेंस एंड वेलफेयर ऑफ़ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटीजन्स एक्ट,2007 (माता-पिता और वरिष्ठनागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007) लागू किया था। इस कानून का उद्देश्य संतानों पर माता-पिता के भरण-पोषण की कानूनी जिम्मेदारी निर्धारित करना था। अधिनियम के अंतर्गत माता-पिता ट्रिब्यूनल में आवेदन कर आर्थिक सहायता का आदेश प्राप्त कर सकते हैं।किन्तु व्यावहारिक स्तरपर यह कानून कई कारणों से दंतहीन सिद्ध हुआ है। प्रथम, शिकायत दर्ज कराने की पहल स्वयं बुजुर्गों को करनी होती है, जो सामाजिक संकोच, भावनात्मक दबाव या शारीरिक अक्षमता के कारण अक्सर संभव नहीं हो पाती। द्वितीय, प्रवासी संतानें विदेश में होने के कारण आदेशों के क्रियान्वयन में प्रशासनिक कठिनाइयाँ आती हैं। तृतीय, कानून मुख्यतःआर्थिक सहायता तक सीमित है;इसमेंभावनात्मक और देखभाल संबंधी दायित्वों का स्पष्ट प्रवर्तन तंत्र नहीं है। परिणामतः समस्या की गंभीरता के अनुरूप प्रभावी समाधान नहीं मिल पाता। इसीलिए ही जरूरत आन पड़ी है कि कुछ मेरे द्वारा सुझाए के पांच कानून को विधायक के रूप में संसद में पेश करो ने तुरंत पारित करने की प्रक्रिया की जाए यह सुझाव में इस आर्टिकल के माध्यम से नीति निर्धारकों, राज्यसभा लोकसभा सांसदों,प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति कार्यालयों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा हूं। साथियों बातें कर हम मेरे द्वारा सुझाए गए पांच प्रस्तावित नए कानून की आवश्यकता कुछ समझने की करें तो समस्या की गंभीरता को देखते हुए एक समकालीन,वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप और तकनीकी रूप से सक्षम कानून कीआवश्यकता अनुभव की जा रही है। इसके लिए निम्नलिखित संभावित नाम प्रस्तावित किए जा सकते हैं(1) भारतीय माता-पिता संरक्षण एवं सम्मान अधिनियम, 2026(2) वरिष्ठ नागरिक वैश्विक उत्तरदायित्व अधिनियम, 2026 (3) माता-पिता भरण-पोषण अनिवार्यता एवं दायित्व अधिनियम, 2026 (4) भारतीय पारिवारिक उत्तरदायित्व एवं संरक्षण अधिनियम, 2026 (5) प्रवासी संतान अभिभावक संरक्षण अधिनियम, 2026, इन नामों में केवल दंडात्मक दृष्टिकोण नहीं, बल्कि संरक्षण, सम्मान और उत्तरदायित्व की भावना झलकती है। किसी भी नए कानून का उद्देश्य परिवारों को तोड़ना नहीं, बल्कि उन्हें पुनःजोड़ना होना चाहिएकानूनों की संभावित मुख्य विशेषताएँ- एक प्रभावी कानून बहुस्तरीय होना चाहिए,आर्थिक, प्रशासनिक तकनीकी और नैतिक आयामों को समाहित करते हुए। (1) विदेश या किसी मेट्रो या किसी भी छोटी सिटीज में रहने वाली संतान के लिए अनिवार्य वार्षिक आर्थिक योगदान की व्यवस्था। यह योगदान आय के अनुपात में निर्धारित हो सकता है,जिससे आर्थिक असमानता का संतुलन बना रहे। (2) माता-पिता की शिकायत पर त्वरित न्यायिक तंत्र विशेष ट्रिब्यूनल या फास्ट- ट्रैक व्यवस्था हो,जहाँ 60 से 90 दिनों के भीतर निर्णय दिया जाए।(3) एक राष्ट्रीय डिजिटल पोर्टल, जहाँ बुजुर्ग अपनी शिकायत दर्ज कर सकें। यह पोर्टल सरल भाषा, वीडियो सहायता और हेल्पलाइन से युक्त हो,ताकि तकनीकी रूप से कमज़ोर वरिष्ठ नागरिक भी इसका उपयोग कर सकें।(4) वेतन या आय से स्वचालित कटौती की कानूनी व्यवस्था।आयकर विभाग और बैंकों के सहयोग से निर्धारित राशि सीधे माता-पिता के खाते में स्थानांतरित की जा सके।(5), गंभीर उपेक्षा की स्थिति में पासपोर्ट निलंबन या वीजा प्रतिबंध। यह प्रावधान अंतिम उपाय के रूप में हो, ताकि दंडात्मक कार्रवाई से पहले सुधार का अवसर मिले हलफनामा और प्रमाणन प्रणाली-छह माह में सर्टिफिकेट ऑफ फुलफिल्ड ऑब्लिगेशन जमा कराने की व्यवस्था भी प्रस्तावित की जाए अन्यथा सैलरी पर रोक तथा संबंधित व्यक्ति पर क्रिमिनल केस दर्ज करने का आधार माना जाए (6) विदेश जाने से पहले एक अनिवार्य हलफनामा लिया जा सकता है,जिसमें संतान अपने माता-पिता की देखभाल का वचन दे।इसमें निम्न बिंदु शामिल हों, (1)आय का निश्चित प्रतिशत माता-पिता को देना।(2)स्वास्थ्य बीमा औरआवश्यक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करना। (3)आवश्यकता पड़ने पर केयरटेकर नियुक्त करना।(4) सप्ताह में कम से कम एक बार यह प्रमाण पत्र माता-पिता द्वारा जारी किया जाए कि उनकी संतान दायित्व निभा रही है। यदि प्रमाण पत्र न दिया जाए,तो संबंधितप्राधिकारी कारण की जांच करे और आवश्यकतानुसार चेतावनी या दंडात्मक कार्रवाई करे। साथियों बात अगर हम पासपोर्ट निरस्तीकरण का प्रश्न इसको समझने की करें तो,पासपोर्ट रद्द करना एक कठोर कदम है, क्योंकि यह व्यक्ति की अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता और रोजगार पर सीधा प्रभाव डालता है।अतः इसे अंतिम उपाय के रूप में ही रखा जाना चाहिए। प्रारंभिक चरण में चेतावनी, जुर्माना या अस्थायी निलंबन जैसे उपाय अपनाए जा सकते हैं। केवल गंभीर और निरंतर उपेक्षा की स्थिति में ही पासपोर्ट निरस्तीकरण का प्रावधान हो। इससे कानून का संदेश सख्त भी रहेगा और बेहतर तरीके से न्यायसंगत भी। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में समझने की करें तो (1)अनुच्छेद 21- जीवन और गरिमा का अधिकार- भारतीय संविधानका अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है।सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर इसे विस्तृत अर्थ में व्याख्यायित किया है जिसमें भोजन, स्वास्थ्य, आश्रय और सम्मान सम्मिलित हैं।वृद्ध माता-पिता का परित्याग सीधे-सीधे उनके गरिमामय जीवन के अधिकार का उल्लंघन माना जा सकता है। अतः राज्य का दायित्व बनता है कि वह उनकी रक्षा करे। (2) अनुच्छेद 19 (1) (डी) और 19(1)(जी)- आवाजाही और व्यवसाय की स्वतंत्रता-यदि पासपोर्ट रद्द करने या विदेश यात्रा पर रोक लगाने का प्रावधान किया जाए, तो यह नागरिक की स्वतंत्रता पर अंकुश होगा।अनुच्छेद 19 के तहत दी गई स्वतंत्रताओं पर उचित प्रतिबंध ही लगाए जा सकते हैं। अतः कोई भी नया कानून तभी टिकेगा जब वह: आनुपातिक हो,सार्वजनिक हित में हो, न्यायिक समीक्षा के अधीन हो (3) नीति-निदेशक तत्व अनुच्छेद 41 और 46 राज्य को वृद्धों और कमजोर वर्गों की सुरक्षा का निर्देश देते हैं। यद्यपि ये न्यायालय में प्रवर्तनीय नहीं, लेकिन नीति निर्माण में मार्गदर्शक हैं। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझने की करें तो,विश्व के अनेक देशों में फिलियल रिस्पॉन्सिबिलिटी लॉ की अवधारणा मौजूद है, जहाँ संतानों पर माता-पिता की देखभाल का दायित्व कानूनी रूप से निर्धारित है। एशियाई समाजों में पारिवारिक उत्तरदायित्व की परंपरा मजबूत रही है।भारत यदि एक समकालीन और संतुलित कानून बनाता है, तो वह वैश्विक स्तर पर वृद्धजन संरक्षण के क्षेत्र में एक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।दंडात्मक नहीं पुनर्स्थापनात्मक दृष्टिकोणकिसी भी कानून का लक्ष्य केवल दंड देना नहीं होना चाहिए। परिवारों के बीच संवाद, परामर्श और मध्यस्थता की व्यवस्था भी शामिल होनी चाहिए। यदि संबंधों में दूरी आई है, तो काउंसलिंग और पारिवारिक मध्यस्थता के माध्यम से उसे पुनः स्थापित किया जाए। समाज सेवा संगठनों और स्थानीय प्रशासन को इसमें सटीक भागीदार बनाया जा सकता है। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को संवैधानिक और नैतिक संतुलन के परिपेक्ष में समझने की करें तो भारत का संविधान नागरिकों को आवागमन और रोजगार की स्वतंत्रता देता है।इसलिए किसी भी नए कानून को इन मौलिक अधिकारों के साथ संतुलन स्थापित करना होगा। दायित्व सुनिश्चित करना आवश्यक है,परंतु यह अनुपातिक और न्यायसंगत होना चाहिए। कानून ऐसा हो जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि बदलते भारतीय समाज में आर्थिक प्रगति और वैश्विक अवसरस्वागतयोग्य हैं, परंतु इनकी कीमत पर माता-पिता की उपेक्षा स्वीकार्य नहीं हो सकती। यदि समाज अपने मूल्यों से विमुख हो जाता है,तो उसकी प्रगति अधूरी रह जाती है।एक सशक्त तकनीक-समर्थ और मानवीय दृष्टिकोण वाला कानून समय की मांग है।यह केवल बुजुर्गों की सुरक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा की रक्षा का विषय है। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियाँ भी पारिवारिक उत्तरदायित्व को समझें,तो आज ठोस कदम उठाने होंगे। संसद में उठी आवाज़ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। अब आवश्यकता है कि नीति- निर्माता न्यायपालिका, प्रवासी समुदाय और समाज मिलकर ऐसा ढांचा तैयार करें, जो हर बुजुर्ग माता-पिता को यह विश्वास दिला सके कि वे अकेले नहीं हैं—उनकी संतान और उनका राष्ट्र दोनों उनके साथ खड़े हैं।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9284141425

भारत में एआई का वैश्विक महाकुंभ- इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एक नए तकनीकी युग की दिशा

लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भविष्य में जब एआई मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करेगा, तब यह महाकुंभ उस परिवर्तनकारी यात्रा की आधारशिला के रूप में स्मरण किया जाएगा। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत क़ा न केवल तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन होगा, बल्कि वैश्विक एआई विमर्श को नई दिशा देने का साहस भी दिखेगा वैश्विक स्तरपर 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने भारत को वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस परिदृश्य के केंद्र में स्थापित कर दिया है। नई दिल्ली में आयोजित यह पाँच दिवसीय महाकुंभ केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व व्यवस्था को आकार देने वाला मंच बनकर उभरा है। इस समिट के साथ आयोजित एआई एक्सपो में लगभग 65 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक स्टार्टअप्स की उपस्थिति 13 देशों केपवेलियन 2.5 लाख से अधिक संभावित आगंतुक, 500 से अधिक सत्र और 3250 से अधिक वक्ता एवं पैनल सदस्य शामिल हो रहे हैं,जो वैश्विक स्तरपर रेखांकित करने वाली बात है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि यह आयोजन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास, कूटनीतिक परिपक्वता और नवाचार-नेतृत्व की स्पष्ट अभिव्यक्ति है।पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तरपर एआई को लेकर दो प्रमुख विमर्श सामने आ सकते हैं,एक ओर विनाशकारी जोखिम, नियामक ढांचा और नैतिकता; तो दूसरी ओर नवाचार, समावेशन और विकास। भारत इस समिट के माध्यम से इन दोनों ध्रुवों के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश कर रहा है।जहाँ पूर्ववर्ती वैश्विक चर्चाएँअधिकतर जोखिमों और नियंत्रण पर केंद्रित थीं, वहीं नई दिल्ली इस बहस को जिम्मेदार,समावेशी और विकासोन्मुख एआई की दिशा में मोड़ने का प्रयास कर रही है। यह बदलाव केवल शब्दों का नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का है एआई को भय का नहीं, बल्कि अवसर का माध्यम मानने का दृष्टिकोण। साथियों बात कर हम इस महत्वपूर्ण समिट को समझने की करें तो समिट का उद्घाटन 16 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शाम 5 बजे एआई एक्सपो के उद्घाटन के साथ हुआ। उद्घाटन समारोह में उन्होंने एआई को मानवता के लिए परिवर्तनकारी शक्ति बताते हुए कहा कि भारत का लक्ष्य केवल तकनीकी उपभोक्ता बनना नहीं, बल्कि वैश्विक एआई आर्किटेक्चर के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनना है। उनके संबोधन में यह स्पष्ट संदेश था कि भारत एआई को लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और सतत विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना चाहता है।एआई एक्सपो इस समिट का जीवंत और व्यावहारिक आयाम है। यहाँ विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियाँ,उभरते स्टार्टअप्स, विश्वविद्यालय,अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतरराष्ट्रीय साझेदार एक ही मंच पर उपस्थित हैं।13 देशों के पवेलियन ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्ज़रलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया ताजिकिस्तान और अफ्रीका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व एआई इकोसिस्टम में वैश्विक सहयोग की भावना को दर्शाते हैं। ये पवेलियन केवल प्रदर्शनी स्थल नहीं, बल्कि तकनीकी साझेदारी,निवेश अवसर और नीति संवाद केएक प्रमुख केंद्र बन गए हैं।

एआई इम्पैक्ट 2026: मानव सभ्यता के द्वार पर दस्तक देती कृत्रिम बुद्धि

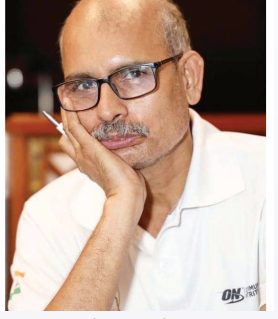

लेखक-बिनोद लाकियावाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया,तो यह केवल दीप प्रज्ज्वलन नहीं था,बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है। नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित 'एआई इम्पैक्ट 2026' केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं,बल्कि मानव सभ्यता के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घोष है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया, तो यह केवल दीप प्रज्ज्वलन नहीं था, बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी। .भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है। प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में एआई को 'विकसित भारत' की धुरी बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धि केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विस्तार का माध्यम है। उनका यह कथन प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक था।भारत की जनसंख्या एक ओर भार है,तो दूसरी ओर मानव पूंजी का महासागर। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी महासागर को दिशा देने का आह्वान है। यह आयोजन उस राष्ट्रीय आकांक्षा का मंच है जिसमें भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक एआई नेतृत्वकर्ता बनने का संकल्प ले रहा है।एआई के संदर्भ में भारत की स्थिति अद्वितीय है। एक ओर विशाल युवा जनसंख्या, दूसरी ओर डिजिटल बुनियादी ढाँचे का तीव्र विस्तार, और तीसरी ओर राजनीतिक इच्छाशक्ति।प्रधानमंत्री मोदी का 'मिशन एआई' केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं, बल्कि गाँव, खेत,कारखाने, विद्यालय और शासन प्रणाली तक विस्तारित दृष्टि है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है। परंतु हर तकनीकी क्रांति के साथ आशंकाओं की आँधी भी आती है। औद्योगिक क्रांति ने श्रमिक वर्ग को विस्थापित किया था, सूचना क्रांति ने ज्ञान का केंद्रीकरण तोड़ा था, और अब एआई क्रांति मानव श्रम और मानव निर्णय दोनों को चुनौती दे रही है। भारत जैसे देश में जहाँ बेरोजगारी पहले से ही सामाजिक- आर्थिक तनाव का स्रोत है,वहाँ एआई का आगमन एक नई अनिश्चितता का संकेत भी है। क्या मशीनें करोड़ों नौकरियों को निगल जाएँगी? क्या मानव श्रम अप्रासंगिक हो जाएगा? क्या निर्णय-प्रक्रिया एल्गोरिद्म के हाथों में चली जाएगी? ये प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और राजनीतिक भी हैं।एआई इम्पैक्ट 2026 का केंद्रीय विमर्श इसी द्वंद्व पर केंद्रित है—संभावना और शंका, सफलता और संकट,विकास और विस्थापन। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण इस द्वंद्व को स्वीकारते हुए आशावाद की ओर झुका हुआ था। उन्होंने कहा कि एआई मानव को विस्थापित नहीं, बल्कि सशक्त करेगा।यह कथन राजनीतिक रूप से आश्वस्तकारी है, परंतु सामाजिक यथार्थ में इसे मूर्त रूप देने के लिए नीतिगत क्रांति आवश्यक है। भारत की विशाल जनसंख्या यदि प्रशिक्षित, कौशलयुक्त और डिजिटल रूप से सशक्त होती है, तो एआई क्रांति भारत को वैश्विक शक्ति बना सकती है। किंतु यदि यह जनसंख्या तकनीकी परिवर्तन से कट जाती है,तो वही जनसंख्या सामाजिक विस्फोट का कारण भी बन सकती है।एआई इम्पैक्ट 2026 इस दोराहे पर खड़े भारत का आत्ममंथन है।मानव संसाधन के संदर्भ में एआई का प्रभाव बहुआयामी है। शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ, कृषि, उद्योग, प्रशासन, न्याय प्रणाली—सभी क्षेत्रों में एआई की भूमिका बढ़ रही है।भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, और अब एआई आधारित शासन मॉडल, एक नए सामाजिक अनुबंध की रचना कर रहे हैं।मोदी का मिशन इस अनुबंध को 'डिजिटल नागरिकता' के रूप में परिभाषित करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी डिजिटल नागरिकता का वैश्विक विमर्श है।बेरोजगारी की आशंका को लेकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि एआई करोड़ों नौकरियों को समाप्त कर देगा, जबकि अन्य का कहना है कि यह उतनी ही नई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। भारत के संदर्भ में यह समीकरण अधिक जटिल है। यहाँ अनौपचारिक क्षेत्र, कृषि आधारित रोजगार और निम्न कौशल श्रमिकों की विशाल संख्या है। यदि एआई इन क्षेत्रों में बिना सामाजिक सुरक्षा के प्रवेश करता है, तो असमानता बढ़ेगी। एआई इम्पैक्ट 2026 में इस प्रश्न पर गहन चर्चा हो रही है कि कैसे कौशल पुनर्संरचना, जीवनपर्यंत शिक्षा और डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन को एआई युग के अनुरूप ढाला जाए। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन में 'स्किल, स्केल और स्पीड' की त्रयी पर बल दिया। उनका तर्क था कि भारत को एआई में कौशल विकसित करना होगा, उसे बड़े पैमाने पर लागू करना होगा, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति बनाए रखनी होगी। यह दृष्टि भारत को केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय एआई नेतृत्वकर्ता बनाने की आकांक्षा भी रखती है।वैश्विक संदर्भ में एआई एक भू-राजनीतिक हथियार बन चुका है।अमेरिका, चीन, यूरोप और अन्य शक्तियाँ एआई को आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभुत्व के साधन के रूप में देख रही हैं। भारत की भूमिका अब केवल संतुलन कारी नहीं,बल्कि वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करने की है। एआई इम्पैक्ट 2026 में भारत ने 'मानव-केंद्रित एआई' की अवधारणा को प्रमुखता से रखा है। यह अवधारणा एआई को मानव गरिमा, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के साथ जोड़ने का प्रयास है। सफलता की संभावना विशाल है। कृषि में सटीक खेती, स्वास्थ्य में निदान की क्रांति, शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण, शासन में पारदर्शिता, उद्योग में उत्पादकता—ये सभी एआई के उपहार हैं। भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की कमी और जनसंख्या की अधिकता है, वहाँ एआई संसाधनों के कुशल उपयोग का माध्यम बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इन संभावनाओं को नीतिगत रोडमैप में बदलने का मंच है। परंतु शंका भी उतनी ही गहरी है। डेटा की निजता, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, निगरानी राज्य, डिजिटल उपनिवेशवाद—ये एआई युग के अंधेरे पक्ष हैं। भारत जैसे लोकतंत्र में जहाँ नागरिक अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहाँ एआई का अनियंत्रित प्रयोग लोकतंत्र को भी चुनौती दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 'ट्रस्ट और ट्रांसपेरेंसी' पर जोर देकर इस चिंता को स्वीकार किया।एआई इम्पैक्ट 2026 इसलिए केवल तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि सभ्यता का संवाद है। यह संवाद मानव और मशीन, लोकतंत्र और एल्गोरिद्म, बाजार और समाज, शक्ति और नैतिकता के बीच है। भारत इस संवाद में एक प्राचीन सभ्यता के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित है, जो तकनीक को साधन मानती है, साध्य नहीं। इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत और शिक्षाविदों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि एआई अब किसी एक देश या कंपनी का विषय नहीं, बल्कि मानवता का साझा भविष्य है।प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण भारत को इस साझा भविष्य के नैतिक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करता है। अंततः प्रश्न यह नहीं कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि मानवता उसे कैसे अपनाएगी। भारत जैसे देश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का उपकरण भी हो सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस संभावना, शंका और सफलता के त्रिकोण में खड़े मानव भविष्य का चिंतन है। यह आयोजन एक चेतावनी भी है और एक आशा भी -कि यदि मानव विवेक, नीति और नैतिकता तकनीक के साथ चलें, तो एआई मानव सभ्यता का विनाश नहीं, बल्कि उसका उत्कर्ष बन सकता है।एआई इम्पैक्ट 2026 के उद्घाटन सत्र के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत एआई को केवल आर्थिक वृद्धि का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में भारत की जनसांख्यिकी को 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' से 'डिजिटल डिविडेंड' में रूपांतरित करने का आह्वान किया। उनका संकेत स्पष्ट था—यदि युवा शक्ति को एआई कौशल से लैस किया जाए, तो भारत आने वाले दशकों में वैश्विक नवाचार का केंद्र बन सकता है। भारत के लिए एआई का प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सभ्यतागत है। यहाँ की संस्कृति, दर्शन और सामाजिक संरचना हजारों वर्षों से मानव चेतना, नैतिकता और सामूहिकता पर आधारित रही है। एआई इस संरचना में एक नया तत्व जोड़ रहा है—एल्गोरिद्मिक निर्णय। यह निर्णय मानव विवेक का सहायक भी हो सकता है और प्रतिस्थापन भी। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी द्वंद्व की ऐतिहासिक बहस का मंच है।मानव संसाधन के संदर्भ में भारत की चुनौती अद्वितीय है। हर वर्ष लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। परंपरागत उद्योग उतनी गति से रोजगार नहीं पैदा कर पा रहे। एआई आधारित स्वचालन इस संकट को बढ़ा भी सकता है और हल भी कर सकता है। यदि एआई केवल पूंजी-गहन उद्योगों में केंद्रित रहा, तो रोजगार संकट गहराएगा। लेकिन यदि एआई को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, लघु उद्योग और ग्रामीण उद्यमिता में समावेशी रूप से लागू किया जाए, तो यह रोजगार सृजन की नई लहर भी पैदा कर सकता है। मोदी ने 'एआई फॉर ऑल' की अवधारणा पर जोर देकर इस समावेशन का संकेत दिया। उनका कहना था कि एआई केवल महानगरों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की संपत्ति नहीं, बल्कि गाँव, किसान, छात्र और छोटे उद्यमी का भी अधिकार है। एआई इम्पैक्ट 2026 में प्रस्तुत अनेक स्टार्टअप और नीति प्रस्ताव इसी विचार को मूर्त रूप देते हैं।वैश्विक मंच पर भारत की एआई कूटनीति भी इस सम्मेलन का महत्वपूर्ण आयाम है। एआई अब ऊर्जा, रक्षा, साइबर सुरक्षा और आर्थिक प्रभुत्व का नया क्षेत्र बन चुका है। अमेरिका और चीन के बीच एआई प्रतिस्पर्धा एक नई शीत युद्ध की तरह उभर रही है। भारत इस प्रतिस्पर्धा में तीसरे ध्रुव के रूप में उभर सकता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और मानव अधिकारों पर आधारित एआई मॉडल प्रस्तुत करे। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन वक्तव्य इसी 'विश्व मित्र' भूमिका की ओर संकेत करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 में यह भी स्पष्ट हुआ कि डेटा ही नए युग का तेल नहीं, बल्कि नई सभ्यता का रक्त है। भारत के पास विशाल डेटा संसाधन हैं, परंतु डेटा संप्रभुता, निजता और सुरक्षा के प्रश्न अत्यंत संवेदनशील हैं। यदि भारतीय नागरिकों का डेटा वैश्विक तकनीकी निगमों के नियंत्रण में चला गया, तो डिजिटल उपनिवेशवाद का खतरा वास्तविक है। इस सम्मेलन में डेटा लोकलाइजेशन, भारतीय एआई मॉडल और स्वदेशी चिप निर्माण पर हुई चर्चा भारत की डिजिटल संप्रभुता के संघर्ष का संकेत है। बेरोजगारी की आँधी की आशंका इस सम्मेलन के विमर्श में बार-बार उभरी। कई विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि आने वाले वर्षों में पारंपरिक नौकरियाँ तेजी से समाप्त होंगी। वहीं कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि एआई नई रचनात्मक अर्थव्यवस्था को जन्म देगा, जहाँ मानव रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धि और सामाजिक कौशल की मांग बढ़ेगी। भारत के लिए यह संक्रमण काल सबसे चुनौतीपूर्ण होगा। यहाँ सामाजिक सुरक्षा तंत्र अभी भी विकसित हो रहा है। इसलिए एआई नीति के साथ-साथ सामाजिक नीति भी उतनी ही आवश्यक है। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में 'मानवता प्रथम' का मंत्र दोहराया। यह मंत्र केवल नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि नीति का आधार बन सकता है।

महिला वर्ल्ड कप जीत की हीरो को मिला बड़ा सम्मान

साल की सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी बनीं स्मृति मंधाना

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को वर्ष 2025 के लिए 'बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर' चुना गया है। यह सम्मान उन्हें महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने के लिए दिया गया। सोमवार को आयोजित भव्य समारोह में देश की कई महिला खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

वीडियो संदेश के जरिए जताया आभार

इस समय स्मृति मंधाना भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं, जहां टीम मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेल रही है। उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से बीबीसी का धन्यवाद करते हुए कहा कि 2025 महिला क्रिकेट के लिए बेहद खास साल रहा और टीम की सफलता में योगदान देना उनके लिए गर्व की बात है।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिला सम्मान

युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर',पैरा एथलीट प्रीति पाल को 'पैरा स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर',पूर्व निशानेबाज अंजली भागवत को 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड', विजेताओं का चयन लिएंडर पेस, दीपा मलिक और अंजू बॉबी जॉर्ज सहित प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया गया।

करियर में लगातार नए कीर्तिमान

29 वर्षीय बाएं हाथ की बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला क्रिकेट की सबसे सफल खिलाड़ियों में शुमार हैं। महिला वनडे इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा शतक, मौजूदा खिलाड़ियों में कुल रन के मामले में दुनिया की तीसरे नंबर की बल्लेबाज, महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी स्मृति को क्रिकेट की प्रेरणा उनके पिता और भाई से मिली, जो जिला स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

सितंबर 2025 में स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महज 50 गेंदों में शतक जड़ दिया था। यह 50 ओवर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी भारतीय (पुरुष या महिला) द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। इस पारी के साथ उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

सुपर 8 में भारत के मुकाबले इन टीमों से होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने लगातार तीन जीत दर्ज करते हुए सुपर 8 में शानदार अंदाज में जगह पक्की कर ली है। पाकिस्तान को 61 रन से हराकर टीम इंडिया ने ग्रुप 'ए' से अगले दौर का टिकट कटाया। अभी एक लीग मैच बाकी है, लेकिन भारत ने ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। सुपर 8 का फॉर्मेट क्या रहेगा? सुपर 8 में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप में चार टीमें होंगी। आईसीसी ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही संभावित ग्रुप तय कर दिए थे। यानी टीम टेबल में पहले या दूसरे स्थान पर रहे, उसे पहले से निर्धारित ग्रुप में ही रखा जाएगा।

भारत का सुपर 8 शेड्यूल और वेन्यू

- भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका – 22 फरवरी, अहमदाबाद
- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया/जिम्बाब्वे – 26 फरवरी, चेन्नई
- भारत बनाम वेस्टइंडीज – 1 मार्च, कोलकाता
- पहला मुकाबला 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेला जाएगा, जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

ग्रुप 1 में किन टीमों से होगी भिड़ंत?

ग्रुप 1 में भारत के साथ वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया/जिम्बाब्वे में से एक टीम शामिल होगी। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका ने अपने तीनों मैच जीतकर सुपर 8 में जगह बना ली है। चौथी टीम का फैसला अभी बाकी है। ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे ग्रुप 'बी' में हैं और क्वालीफिकेशन की रेस में बने हुए हैं। आयरलैंड के पास भी बाहर से मौका है। अगर कोई प्री-सीडेड टीम (जैसे ऑस्ट्रेलिया) टॉप-2 में नहीं आती, तो उसकी जगह अगली सर्वश्रेष्ठ टीम को मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया टी-20 वर्ल्डकप से लगभग बाहर

लगातार तीसरी जीत से श्रीलंका सुपर-8 में पहुंचा, निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया

कोलंबो (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्ड कप में एक और करारी हार झेलनी पड़ी है। उसे सोमवार के तीसरे मैच में श्रीलंका ने 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गई है। अब उसकी उम्मीदें जिम्बाब्वे की हार पर टिकीं हैं। अगर जिम्बाब्वे मंगलवार को होने वाले मैच में आयरलैंड को हरा देती है, तो ऑस्ट्रेलिया बाहर हो जाएगी। पल्लेकेले स्टेडियम में ग्रुप बी के इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलिया 20 ओवर में 181 रन पर ऑलआउट हो गई। श्रीलंका ने 182 रन का टारगेट 18 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। पथुम निसंका ने 52 बॉल पर नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। निसंका ने इस टूर्नामेंट का पहला शतक लगाया। कुसल मेंडिस ने 51 रन बनाए।

- **जिम्बाब्वे पर टिकीं ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें** – श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सुपर-8 में एंट्री कर ली। वहीं कंगारू टीम लगभग बाहर हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया को अब ओमान के खिलाफ आखिरी मैच में जीत के साथ जिम्बाब्वे के दोनों मैच हारने का इंतजार भी करनी होगी।

न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप के सुपर-8 में पहुंचा

कनाडा को 8 विकेट से हराया, युवराज टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बैटर बने

चेन्नई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 31वें मुकाबले में कनाडा को 8 विकेट से हराकर सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और 20 ओवर में 4 विकेट पर 173 रन बनाए। जवाब में कीवी टीम ने 15.1 ओवर में सिर्फ 2 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया।

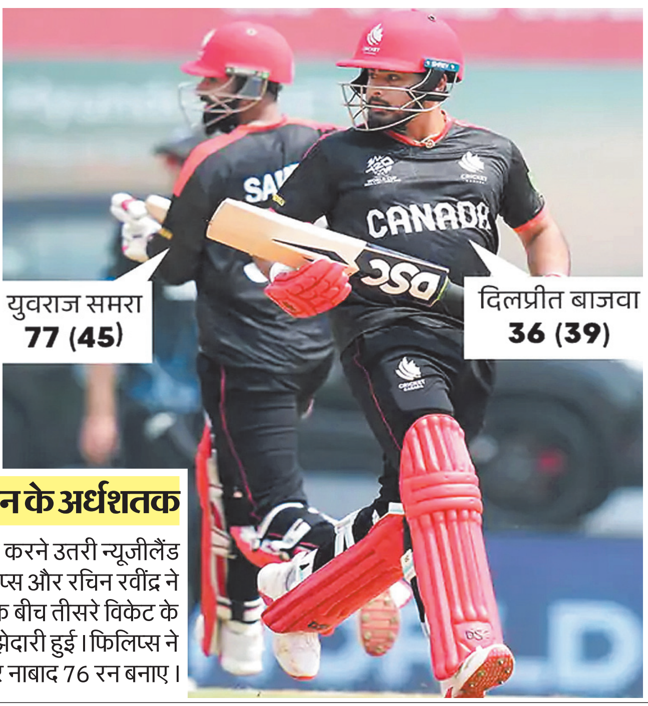

फिलिप्स-रचिन के अर्धशतक

174 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र ने अर्धशतक लगाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए नाबाद 146 रन की साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 36 बॉल पर नाबाद 76 रन बनाए।

युवराज समरा का शतक

कनाडा के लिए युवराज समरा ने शतक लगाया। उन्होंने 65 बॉल पर 110 रन बनाए। 19 साल के युवराज टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के अहमद शहजाद के नाम थी, जिन्होंने 2014 में 22 साल 127 दिन की उम्र में बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में शतक लगाया था। टीम के लिए युवराज के अलावा कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने 36 रन बनाए। युवराज और दिलप्रीत के बीच पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी, जैकब डफी, काइल जैमीसन और जिमी नीशम को 1-1 विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

न्यूजीलैंड– फिन एलन, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), रचिन रवींद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चापमन, डेरिल मिचेल (कप्तान), कोल मैककोनी, जिमी नीशम, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, जैकब डफी।

कनाडा–दिलप्रीत बाजवा (कप्तान), युवराज समरा, नवनीत धालीवाल, हर्ष ठाकेर, निकोलस किर्टन, श्रेयस मोव्वा (विकेटकीपर), साद बिन जफर, शिवम शर्मा, दिलोन हेलिगर, जसकरन सिंह, अंश पटेल।

व्यापार

अब 14 करोड़ की कमाई से हर कोई दंग

कॉलेज में जब दूसरे लड़के ढूंढ रहे थे जॉब, तब शुरू किया एक्सपेरिमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। वरुण रहेजा इंदौर के रहने वाले हैं। वह रहेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग के संस्थापक हैं। उन्होंने 2018 में मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी, इंदौर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। कॉलेज के सालों में जब कई छात्र प्लेसमेंट पर फोकस कर रहे थे, वरुण ने कंपोस्टिंग और सोलर ड्राइंग (सौर सुखाने की प्रक्रिया) के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया। आज वह फसल कटने के बाद (पोस्ट-हार्वेस्ट) होने वाले नुकसान से निपटने के लिए अपने सोलर ड्रायर बेचते हैं। इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में उन्होंने 14 करोड़ रुपये की कमाई की है। वरुण ने शार्क टैंक इंडिया में भी हिस्सा लिया। जजों से 1.75 करोड़ रुपये की डील हासिल की। कंपनी ने भारत के 26 राज्यों में 8,000 से अधिक सोलर ड्रायर स्थापित किए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह केन्या, मलावी, इंडोनेशिया और भूटान जैसे देशों में फैल चुकी है। आइए, यहां वरुण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। इस आइडिया से बनाया ड्रायर सोलर ड्राइंग यानी सूरज की रोशनी में सुखाने का कॉन्सेप्ट भारत में नया नहीं है। यह किसानों और घरों के लिए मुफ्त है। भारतीय घरों में पापड़ और अचार को धूप में सुखाना एक प्राचीन परंपरा है जो आज भी जारी है। इंदौर के वरुण रहेजा ने इसी सिद्धांत का इस्तेमाल करके सोलर ड्रायर बनाए हैं। इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है। ये किसानों को हर साल होने वाले पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान को कम करने में मदद करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, किसानों को पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान के कारण हर साल 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान होता है।वरुण राहेजा ने 2018 में बीटेक पूरा किया। कॉलेज के सालों में जब कई छात्र प्लेसमेंट पर फोकस कर रहे थे, वरुण कंपोस्टिंग और सोलर ड्राइंग पर प्रयोग करने में जुटे थे। वरुण का सोलर ड्राइंग में पहला एक्सपेरिमेंट 2017-18 में कॉलेज में रहते हुए शुरू हुआ। उन्होंने अपनी सेविंग से लगभग 25,000-30,000 रुपये के निवेश से पहला सौर ड्रायर बनाया। 2018 में अपनी फर्म रजिस्टर की। बाद में 2019 में इसे रहेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड में बदल दिया।

23 से ओपन हो रहा यह आईपीओ, ग्रे मार्केट में अभी से ही तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबिलाइज ऐप लैब अपना आईपीओ 23 से 25 फरवरी 2026 के बीच लेकर आ रही है। कंपनी कुल 25,12,000 नए शेयरों का फ्रेश इश्यू जारी कर रही है, जबकि इसमें कोई ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है। प्री-इश्यू शेयर कैपिटल 70,00,000 शेयर है और प्रति शेयर फेस वैल्यू 10 तय की गई है। इश्यू प्राइस और लॉट साइज की घोषणा जल्द की जाएगी। निवेशकों के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा क्यूआईबी, 15 प्रतिशत एनआईआई (एचएनआई) और 35 प्रतिशत रिटेल श्रेणी के लिए आरक्षित रहेगा। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 11 प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। मोबिलाइज ऐप लैब एक भारतीय आधारित आईटी सॉल्यूशंस कंपनी है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एंटरप्राइज ऑपरेशंस को आसान और व्यवस्थित बनाने पर काम करती है। कंपनी हेल्थकेयर, फूड एंड बेवरेज और फैसिलिटी मेंटेनेंस जैसे सेक्टरों के लिए कस्टमाइज्ड और मैनेजमेंट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है। इसका प्रमुख उत्पाद एक उन्नत कंप्यूटरीकृत मेंटेनेंस मैनेजमेंट सिस्टम है, जो कंपनियों को अपने फिजिकल एसेट्स मैनेज करने, उपकरणों का रिकॉर्ड ट्रैक करने और प्रिवेंटिव मेंटेनेंस शेड्यूल करने में मदद करता है। कंपनी के अन्य प्रोडक्ट्स में एडुप्रो ईआरपी शामिल है, जो शैक्षणिक संस्थानों के एडमिशन, अकादमिक गतिविधियों और परिवहन प्रबंधन को संभालता है।

60 साल में होने वाला काम अब 25 साल के युवा कर रहे हैं

डिजिटल क्रांति ने बदल दिया प्रॉपर्टी मार्केट

नई दिल्ली, एजेंसी। यह बीते जमाने की बात थी जबकि लोग रिटायर होने के वक्त मकान बनवाते थे या कोई फ्लैट खरीदते थे। जब से सस्ते ब्याज दरों पर आसानी से होम लोन मिलने लगा है तो स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन हो गया है। अब मकान खरीदने वालों में 90 से 95 फीसदी मिलेनियल्स और जेन ज़ी मतलब कि युवा पीढ़ी के लोग हैं। इसका खुलासा होम लोन पर जारी एक रिपोर्ट से हुआ है।

जेन जी खरीद रहे हैं मकान

दशकों से देखा जाए तो भारतीयों के लिए, अपना मकान होना एक बड़ा सपना रहा है। मकान का मालिक बनना स्थिरता और सफलता का प्रतीक माना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि अब मकान खरीदने के लिए युवा लोग ज़्यादा सामने आ रहे हैं। इसके मुताबिक मकान खरीदने वालों में 90 से 95 प्रतिशत तक मिलेनियल्स और जेन ज़ी हैं।

ऑनलाइन सर्च और अप्लाई रिपोर्ट का कहना है कि ये युवा खरीदार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने में माहिर हैं। 40 साल से कम उम्र के लगभग 72 प्रतिशत लोग अपना होम लोन ऑनलाइन अप्लाई करना पसंद करते हैं। उन्हें यह तरीका बहुत आसान और सुविधाजनक लगता है। वे अपने मोबाइल फोन से ही अलग-अलग लेंडर्स (लोन देने वाली कंपनियां) की तुलना कर सकते हैं, ज़रूरी कागज़ात अपलोड कर सकते हैं और अपने लोन की अर्ज़ी की स्थिति जान सकते हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि 60 साल से ज़्यादा उम्र के लोग भी अब डिजिटल तरीके से लोन लेने में सहज हो रहे हैं। लगभग 46 से 47 प्रतिशत बड़े-बुज़ुर्ग भी डिजिटल तरीके से लोन अप्लाई कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि ऑनलाइन लोन देना अब आम बात हो गई है। डिजिटल क्रांति से आया बदलाव बेसिक होम लोन के फाउंडर और सीईओ अतुल मोंगा बताते हैं इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह है भारत का डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन (डिजिटल क्रांति)। ऐप और टूल लोगों को अपने ज़रूरी कागज़ात ऑनलाइन सेव करने और शेयर करने की सुविधा देते हैं। आज, 35 साल या उससे कम उम्र के लगभग 80 प्रतिशत लोग अपने ज़्यादातर काम के लिए डिजीलॉकर का इस्तेमाल करते हैं, खासकर होम लोन अप्लाई करते समय। इससे कागज़ों का वो पुराना लंबा और थकाऊ काम खत्म हो गया है। ऑनलाइन होने से कागज़ों का काम कम हो जाता है, लोन जल्दी अप्रूव हो जाता है और यह प्रक्रिया खरीदार और लोन देने वाली कंपनी, दोनों के लिए आसान हो जाती है।

गांव वाले भी पीछे नहीं

ऐसा नहीं है कि डिजिटल लोन सिर्फ शहराती ही ले रहे हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के लोग भी ऑनलाइन लोन के विकल्प को तेजी से अपना रहे हैं। इन इलाकों में भी डिजिटल कनेक्टिविटी, स्मार्टफोन का इस्तेमाल और लोगों में पैसों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। ये सब चीज़ें शहरों और छोटे शहरों के बीच की दूरी को कम कर रही हैं। इसका नतीजा यह है कि अब अपना घर खरीदना इन लोगों की पहुंच से दूर नहीं है।

ब्याज दर के प्रति अत्यधिक संवेदनशील

पहले के ग्राहक सोचते थे कि बैंक से लोन मिल जाए। लेकिन अबके ग्राहक ब्याज दरें को लेकर बेहद संवेदनशील हो गए हैं। अब उनके लिए यही काफी मायने रखती हैं। हालांकि, अभी भी बहुत से खरीदार ऐसे लेंडर्स को पसंद कर रहे हैं जो लोन जल्दी, अच्छे से और सुरक्षित तरीके से अप्रूव कर सकें, भले ही ब्याज दर थोड़ी ज़्यादा हो। रिपोर्ट से एक और बात पता चली है कि लोग अपनी मासिक किस्त पर कितना खर्च करने को तैयार हैं। कम आय वाले खरीदार ऐसी इएमआइ पसंद करते हैं जो उनकी मासिक आय का लगभग 25 प्रतिशत हो। वहीं, ज़्यादा आय वाले खरीदार बताते हैं कि वे अपनी आय का लगभग 40 प्रतिशत इएमआइ पर खर्च करने में सहज हैं। यह दिखाता है कि लोगों का आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)